सच की सशक्त आवाज़

सत्य • निष्पक्ष • निर्भीक

युग सृष्टि

RNI No. 127408

हिंदी दैनिक

जन-जन की आवाज़, युग की सृष्टि

वर्ष : 13, अंक : 272 लखनऊ, मंगलवार 01 सितम्बर 2026 पेज - 8 मूल्य : 2 रूपया

बाढ़ प्रभावितों के लिए युद्ध स्तर पर सरकार का राहत अभियान जारी, भोजन से लेकर सुरक्षित ठिकाने तक के इंतजाम : सीएम

संवाददाता।

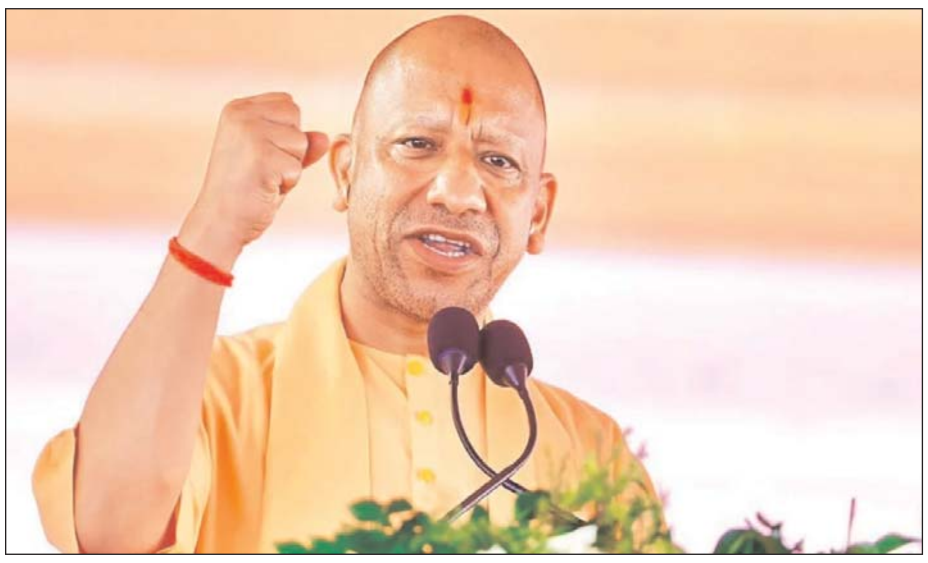

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में बाढ़ की चुनौती के बीच योगी सरकार ने राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता देते हुए प्रशासनिक मशीनरी को पूरी तरह सक्रिय कर दिया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ ही उनके लिए भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सुविधाएं और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था लगातार की जा रही है। उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, रविवार तक प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक प्रदेश में कोई जनहानि नहीं व पशुहानि नहीं होने पाई है। योगी सरकार की निगरानी में राहत कार्य प्रभावित क्षेत्रों में लगातार जारी हैं। वर्तमान में बाढ़ से करीब 1.70 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। ऐसे में सरकार का पूरा जोर प्रभावित आबादी को तत्काल राहत सहायता उपलब्ध कराने और लोगों को सुरक्षित रखने पर है। इसके लिए प्रभावित इलाकों में अब तक कुल 1,633 बाढ़ चौकियां स्थापित की जा चुकी हैं। इन चौकियों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर राहत एवं बचाव गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। बाढ़ जैसी आपदा में सबसे बड़ी जरूरत प्रभावित परिवारों तक भोजन पहुंचाने की है। योगी सरकार ने इस मोर्चे पर भी व्यापक इंतजाम किए हैं। रविवार की स्थिति के मुताबिक 2,024 बाढ़ राहत खाद्यान्न पैकेट और 10,784 लंच पैकेट वितरित किए गए हैं। अब तक कुल 55,572 खाद्यान्न पैकेट और 3.02 लाख लंच पैकेट प्रभावित लोगों तक पहुंचाए जा चुके हैं। इससे राहत शिविरों और प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों को भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है। प्रशासन द्वारा जरूरत के अनुसार राहत सामग्री का वितरण लगातार किया जा रहा है, ताकि बाढ़ के कारण रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होने के बावजूद लोगों को भोजन के लिए परेशान न होना पड़े।

राहत कार्यों के साथ सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को भी प्राथमिकता दी है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में 200 मेडिकल टीमें गठित की गई हैं। इसके अलावा स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए 5,432 क्लोरीन टैबलेट तथा 5,441 ओआरएस पैकेट वितरित किए गए हैं। बाढ़ के दौरान दूषित पानी और संक्रमण से होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में मेडिकल टीमों की तैनाती और क्लोरीन टैबलेट तथा ओआरएस के वितरण से प्रभावित आबादी को तत्काल स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

बाढ़ के कारण जिन क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित हुआ है, वहां राहत एवं बचाव कार्य के लिए 525 नाव एवं मोटरबोट लगाए गए हैं। इनके माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक पहुंच बनाने और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है।

प्रशासन ने बाढ़ प्रभावितों के लिए 254 बाढ़ शरणालय स्थापित किए हैं। इनमें से 46 शरणालय वर्तमान में संचालित हैं। संचालित शरणालयों में 1,151 लोग रह रहे हैं, जबकि अब तक लगभग इतनी ही संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। 30 अगस्त की स्थिति के अनुसार प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें अयोध्या, आजमगढ़, बलिया, बाराबंकी, बदायूं, चित्रकूट, फर्रुखाबाद, हमीरपुर, हरदोई, कासगंज, कन्नौज, कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, मुरादाबाद, संत कबीर नगर, शाहजहांपुर और वाराणसी शामिल हैं। इन सभी जिलों में प्रशासन की टीमें राहत एवं बचाव अभियान में लगातार जुटी हैं।

राहत अभियान में प्रभावित पशुओं को भी शामिल किया गया है। वर्तमान में प्रभावित 20,556 पशुओं के लिए 425.89 क्विंटल भूसा वितरित किया गया है। इससे बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ उनके पशुधन की जरूरतों का भी ध्यान रखा जा रहा है। बाढ़ प्रभावित विभिन्न जिलों में अब तक 12 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें से 11 मामलों में क्षतिग्रस्त मकानों के सापेक्ष सहायता वितरित की जा चुकी है। वहीं राहत आंकड़ों में बाढ़ से अब तक जनहानि और पशुहानि शून्य दर्ज की गई है।

वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत का 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ना, देश के लोगों की सामूहिक क्षमता को दिखाता है- पीएम मोदी

मुंबई । वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जीडीपी के 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बीच देश का तेजी से बढ़ना हमारे लोगों की सामूहिक क्षमता को दिखाता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पीएम मोदी ने कहा, ÷वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत की शानदार जीडीपी ग्रोथ एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। हमारे लोगों की सामूहिक ताकत ने यह सुनिश्चित किया है कि ग्लोबल अनिश्चितताओं के बीच तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और सप्लाई चेन की दिक्कतों के बावजूद भारत तेजी से विकास करता रहे।÷ उन्होंने पोस्ट के अंत में कहा कि निराशावादी लोगों की हार हुई और भारत एक बार फिर से खिल उठा है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है। यह पिछले साल की समान अवधि की विकास दर 6.9 प्रतिशत से 0.9 प्रतिशत ज्यादा है। यह आरबीआई के अनुमान से ज्यादा है। अगस्त की शुरुआती में मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) के फैसलों के ऐलान के दौरान आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ??ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7 प्रतिशत बताया था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विकास को रफ्तार तृतीयक क्षेत्र ने दी है। इसकी विकास दर 10 प्रतिशत की रही है। इस दौरान, तृतीयक क्षेत्र में %फाइनेंस, रियल एस्टेट, आईटी और प्रोफेशनल सर्विसेज% ने 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ तेजी का नेतृत्व किया है।

द्वितीयक क्षेत्र की विकास दर स्थिर कीमतों में 8.6 प्रतिशत और प्राथमिक क्षेत्र की 2.9 प्रतिशत रही है। इस दौरान कृषि और उससे जुडे सेगमेंट की विकास दर 3.6 प्रतिशत रही है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) की वृद्धि दर 11.9 प्रतिशत रही है।

दिल्ली बस रेप मामले में आतिशी बोलीं, भाजपा के हर इंजन के बावजूद महिलाएं असुरक्षित

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की विधायक आतिशी ने दिल्ली बस रेप की घटना को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। आतिशी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि यूपी सरकार भाजपा की है। दिल्ली सरकार भाजपा की है। यूपी पुलिस भाजपा की है। दिल्ली पुलिस भाजपा की है। एलजी भाजपा के हैं और एमएचए (गृह मंत्रालय) भाजपा के अधीन है। क्या अब कोई ऐसा इंजन बचा है जो भाजपा का न हो? फिर भी, नोएडा से दिल्ली जा रही बस में एक 16 साल की लड़की का रेप होता है और पूरा देश यह सब देख रहा है। उन्?होंने कहा, ÷मैं भाजपा से पूछना चाहती हूं कि इस देश में लड़कियां कब तक पीड़ित रहेंगी और हिंसा का शिकार होती रहेंगी? भाजपा इस देश में 12 से 13 साल से सत्ता में है, लेकिन यह बिल्कुल साफ हो गया है कि रेप करने वालों और महिलाओं के खिलाफ हिंसा करने वालों को भाजपा सरकार, उसकी पुलिस या अदालतों का कोई डर नहीं है।

उन्?होंने कहा कि आरोपियों को पता है कि पुलिस कुछ करने वाली नहीं है। अगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया तो सेटलमेंट हो जाएगा और बेल भी मिल जाएगी।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में आतंकियों के ठिकाने का भंडाफोड़, हथियार और गोला-बारूद बरामद

एजेंसी।

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सोमवार को संयुक्त सुरक्षा बलों ने आतंकियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया और ऑपरेशन के दौरान हथियार और गोला-बारूद बरामद किए। अधिकारियों ने बताया कि यह संयुक्त ऑपरेशन जम्?मू-कश्?मीर पुलिस, सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ ने जिले के नाइकपोरा मेमेंडर इलाके में खास जानकारी मिलने के बाद शुरू किया था। अधिकारियों ने कहा, ÷एक बाग वाले इलाके में तलाशी के दौरान, टीम ने एक ठिकाने का पता लगाया और हथियार व गोला-बारूद बरामद किए, जिनमें एक एके-47, दो एके-47 मैगजीन, 7.62 एमएम के 60 राउंड गोला-बारूद, एक पिस्तौल, एक ग्रेनेड और 9 एमएम के 6 राउंड गोला-बारूद शामिल हैं।÷ अधिकारियों ने आगे कहा, ÷बरामद हथियारों के स्रोत और उनके संभावित इस्तेमाल का पता लगाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी गई है।÷ सुरक्षा बलों ने हाल ही में दक्षिण कश्मीर के कुलगाम, अनंतनाग और शोपियां जिलों में सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच कई बड़े एंटी-मिलिटेंसी ऑपरेशन और घेराबंदी अभियान चलाए हैं। कुलगाम जिले में, हाई-टेक सर्विलांस उपकरणों और खास बलों का इस्तेमाल करते हुए अखल देवसर और गुद्दार के जंगली इलाकों में संयुक्त ऑपरेशन चलाए गए। गर्मियों की शुरुआत में हुई मुठभेड़ों में भी कई आतंकवादी मारे गए थे। अनंतनाग में आतंकवादियों की गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद अचाबल और कोकरनाग (अहलान गगरमांडू जंगल) इलाकों में ऑपरेशन चलाए गए, जिसके दौरान भारी गोलीबारी हुई।

शोपियां जिले में, आतंकवाद-विरोधी अभियानों के दौरान इलाके में लंबी मुठभेड़ के बाद लश्कर-ए-तैयबा (एलटी) के कई सदस्यों को मार गिराया गया, जिनमें जाकिर गनाई भी शामिल था। नॉर्दर्न आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने हाल ही में दक्षिण कश्मीर का दौरा किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, ऑपरेशनल तैयारी और बेहतर खुफिया जानकारी जुटाने व निगरानी के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की समीक्षा की। दक्षिण कश्मीर में सेना, पुलिस और सीआरपीएफ के बीच जॉइंट कंट्रोल सेंटर और अलग-अलग एजेंसियों के बीच तालमेल को काफी मजबूत किया गया है।

राहुल गांधी से ज्यादा गैर-जिम्मेदार, दलित और पिछड़ा विरोधी नेता भारत में न हुआ और न होगा- गौरव भाटिया

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी को निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी से ज्यादा गैर-जिम्मेदार, दलित और पिछड़ा विरोधी कोई नेता भारत में न हुआ है और न होगा। भाटिया का यह बयान उस वक्त आया है जब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उत्तराखंड के हल्द्वानी में आयोजित एक कार्यक्रम को लेकर राहुल गांधी ने शुद्धिकरण का मुद्दा उठाते हुए इसे दलित विरोधी बताया। नई दिल्ली में सोमवार को दिल्ली में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि खड़गे का अपमान हुआ। मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि खड़गे का अपमान करने का काम नकली गांधी परिवार ने किया है। मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि जब प्रियंका गांधी वाड्रा नामांकन करने जाती हैं, तब पीछे खड़गे बैठे हैं। वह दूसरी पंक्ति में बैठे थे और उस समय भी कांग्रेस अध्यक्ष थे। दरवाजा खोलकर वह कह रहे थे, ÷मुझे अंदर आने दो।÷ अगर यह अपमान नहीं है तो क्या है। गौरव भाटिया ने कहा कि खड़गे ने कुछ तथ्य रखते हुए बताया कि उनका अपमान हुआ, लेकिन राहुल गांधी करीब तीन सप्ताह तक सोते रहे और उन्होंने इसकी सुध नहीं ली।

भारत ने सिंधु जल संधि पर सीओए के फैसले को किया खारिज, कहा- फैसला स्वीकार नहीं

लोहिया क्रान्ति/एजेंसी

नई दिल्ली । भारत ने एक बार फिर आईडब्ल्यूटी यानी सिंधु जल संधि को लेकर तथाकथित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (सीओए) के फैसले को पूरी तरह खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने स्पष्ट कहा कि वो इस निकाय की वैधता को नहीं मानता है, इसलिए फैसले को स्वीकार नहीं करता है।

सोमवार को एमईए ने इस मुद्दे पर बयान जारी किया।

साफ शब्दों में कहा गैर-कानूनी तरीके से बनाई गई तथाकथित %कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन% ने %सिंधु जल संधि% के तहत अंतरिम उपायों और संधि की स्थिति के बारे में अपना फैसला (जिसे उसने %अवार्ड% कहा है) सुनाया है।

यह तथाकथित कोर्ट विश्व बैंक के संधि की शर्तों का साफ तौर पर उल्लंघन करते हुए बनाया गया था। भारत इसके तथाकथित फैसले को पूरी तरह से खारिज करता है, ठीक वैसे ही जैसे उसने इस गैर-कानूनी संस्था के पहले के सभी फैसलों को सख्ती से खारिज किया है।

आगे लिखा है कि भारत ने कभी भी गैर-कानूनी तरीके से बनाई गई इस तथाकथित %कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन% के कानूनी अस्तित्व को मान्यता नहीं दी है।

भारत का हमेशा से यह मानना ??रहा है कि इस तथाकथित आर्बिट्रल संस्था का गठन ही %सिंधु जल संधि% का गंभीर उल्लंघन है। इसलिए, भारत कभी भी इस संस्था के सामने पेश नहीं हुआ और न ही उसने इसके पहले के फैसलों को तवज्जो दी।

भारत का मत है कि इस तथाकथित %कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन% को देश के संप्रभु फैसलों पर कोई भी निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। इसके फैसलों का, चाहे अभी हों या भविष्य में, भारत द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं से जुड़े भारत के कामों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

साथ ही %सिंधु जल संधि% को स्थगित रखने का भारत का निर्णय लागू रहेगा। पहलगाम की बैसरन घाटी में अप्रैल 2025 में हुए आतंकी हमले के बाद से ही भारत ने संधि को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया था। पाकिस्तान की विचारधारा के खिलाफ देश अपने रुख पे कायम है।

स्पष्ट कह चुका है कि %खून और पानी साथ नहीं बह सकते।

मणिपुर में कुकी गांव पर उग्रवादियों के हमले में दो ग्रामीणों की मौत, कई घायल

इंफाल । सोमवार को मणिपुर के कांगपोकपी जिले में संदिग्ध उग्रवादियों के हमले में दो ग्रामीणों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। हालांकि, कुकी आदिवासियों के एक प्रमुख संगठन का दावा है कि कथित तौर पर तीन निर्दोष ग्रामीणों (जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं) की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि चार अन्य को गोली लगी और वे गंभीर रूप से घायल हैं। इंफाल में एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पहाड़ी कांगपोकपी जिले में कुकी समुदाय के गांव %एन. तेइखांग% में संदिग्ध उग्रवादी समूह के हथियारबंद लोगों ने अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

हमले के दौरान कई घरों में आग भी लगा दी गई। अधिकारी ने बताया कि भारी गोलीबारी के कारण महिलाओं और बच्चों सहित कई ग्रामीणों को अपने घर छोड़कर पास के जंगलों में शरण लेनी पड़ी। मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की सुरक्षा टुकड़ियां इलाके में पहुंच गई हैं और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। यह हमला उस घटना के कुछ दिनों बाद हुआ है

कौशांबी : पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से दहला मनौरी बाजार, पांच की मौत और 22 घायल, हादसे पर सीएम योगी ने लिया संज्ञान

एजेंसी। नई दिल्ली

कौशांबी । यूपी के कौशांबी में पटाखा फैक्टरी में जोरदार धमाके से बड़ा हादसा हो गया। घटना में घायल पांच लोगों की प्रयागराज के स्त्रह अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। कौशांबी जिले के पिपरी थानाक्षेत्र में एक पटाखा फैक्टरी में सोमवार दोपहर जबरदस्त धमाका हो जाने से पांच लोगों की मौत हो गई। जिलाधिकारी डॉक्टर अमित पाल ने यह जानकारी दी। जिलाधिकारी ने बताया कि इस घटना के बाद पांच घायलों की प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी।

हादसे के बाद मौके पर दो जिलों की टीम तैनात

अधिकारियों का कहना है कि इस घटना में 18 से अधिक लोगों के घायल होने की आशंका है। विस्फोट की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल के बगल से गुजर रही दिल्ली-हावड़ा लाइन पर रेलगाड़ियों का संचालन एक घंटे के लिए रोक दिया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए कौशांबी के जिलाधिकारी डॉ अमित पाल, पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत, प्रयागराज

स्वस्थ रहेंगे तभी बेहतर प्रशिक्षण ले सकेंगे कैडेट : डॉ.अबुल फैज

उमेश कुमार सिंह

खेतासराय जौनपुर। विकास खण्ड शाहगंज के सहकारी पीजी कॉलेज मेहरावां परिसर में 96 यूपी वाहिनी एनसीसी जौनपुर के तत्वावधान में चल रहे संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-325) के छठवें दिन सोमवार को कैडेटों को स्वच्छता, स्वास्थ्य और खान-पान के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में जौनपुर व मिर्जापुर के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के करीब 500 कैडेट प्रतिभाग कर रहे हैं। शिविर के चिकित्सा अधिकारी मेहरावां डॉक्टर अबुल फैज ने कैडेटों को हाइजीन, व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वस्थ खान-पान के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। संतुलित आहार लेने के साथ पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करें, जिससे शरीर स्वस्थ रहे और प्रशिक्षण में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। महिला कैडेटों को विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, उनके लक्षण और बचाव के उपाय भी बताए गए।कमान अधिकारी कर्नल शंकर सिंह गौतम ने कहा कि एनसीसी प्रशिक्षण कैडेटों में अनुशासन, जिम्मेदारी और नेतृत्व की भावना विकसित करने का माध्यम है। कैडेट शिविर में सीखी अच्छी बातों को अपने जीवन में उतारें और समाज व देश के लिए उपयोगी नागरिक बनने का प्रयास करें।एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव सिंह ने कहा कि कैडेटों को सैन्य प्रशिक्षण के साथ आपदा प्रबंधन, फायरिंग, सेना के संगठन एवं रैंक की जानकारी और विभिन्न खेल गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कैडेट प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र में सक्रियता से भाग लेकर अधिक से अधिक सीख हासिल करें।एनसीसी अधिकारियों और पीआई स्टाफ ने भी कैडेटों को अनुशासन, टीम भावना, शारीरिक फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित किया। इस दौरान सूबेदार मेजर जसपाल सिंह, एनसीसी अधिकारी, पीआई स्टाफ, सिविल स्टाफ और बड़ी संख्या में कैडेट मौजूद रहे।

मुंगरा बादशाहपुर के संजय मिश्रा को मिला राज्य अध्यापक पुरस्कार, क्षेत्र में खुशी

जौनपुर। मुंगरा बादशाहपुर के ग्रामसभा गरियाँव निवासी कर्तव्यनिष्ठ एवं आदर्श शिक्षक श्री संजय मिश्रा को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रतिष्ठित 'राज्य अध्यापक पुरस्कार' से सम्मानित किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, नवाचार तथा छात्र-छात्राओं के भविष्य निर्माण के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। संजय मिश्रा की यह उपलब्धि मुंगरा बादशाहपुर, गरियाँव और पूरे जौनपुर जनपद के लिए गौरव का विषय है।

इस अवसर पर विद्यालय के स्टाफ ने संजय मिश्रा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने भी संजय मिश्रा को राज्य अध्यापक पुरस्कार मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

बारिश होते ही तालाब बन जाता है सबरहद का कंपोजिट विद्यालय

शाहगंज, जौनपुर। विकास खण्ड शाहगंज के ग्राम पंचायत सबरहद स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में बारिश के बाद जलभराव की समस्या गंभीर हो गई है। थोड़ी सी बारिश होते ही विद्यालय परिसर तालाब में तब्दील हो जाता है। सोमवार को हुई बारिश के बाद परिसर में पानी भर गया और विद्यालय के कार्यालय तक पानी पहुंच गया। इससे महत्वपूर्ण अभिलेखों और विद्यालय में लगाए गए पौधों के खराब होने का खतरा बना हुआ है। विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक कुमार सोनकर ने ग्राम प्रधान मुकेश राजभर और सचिव विपिन कुमार यादव से समस्या का तत्काल समाधान कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि पिछले कई वर्षों से बारिश के मौसम में विद्यालय में जलभराव की स्थिति बनी रहती है। हर बार समस्या सामने आने के बावजूद अब तक जल निकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं हो सकी है। प्रधानाचार्य का कहना है कि विद्यालय से पानी निकालने के लिए किसी बड़े बजट की आवश्यकता भी नहीं है। विद्यालय के बगल से ही नाला गुजरता है और सामने तालाब भी स्थित है। यदि विद्यालय परिसर के पानी को नाले अथवा तालाब तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था कर दी जाए तो समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है। जलभराव के कारण विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों और शिक्षकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं कार्यालय में पानी पहुंचने से महत्वपूर्ण कागजात के खराब होने की आशंका बनी हुई है।विद्यालय परिसर में लगाए गए पौधों को भी नुकसान पहुंचने की चिंता है।प्रधानाचार्य ने ग्राम प्रधान मुकेश राजभर एवं ग्राम पंचायत सचिव विपिन कुमार यादव से मामले का संज्ञान लेकर शीघ्र जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि बारिश के दौरान विद्यालय में जलभराव की समस्या से निजात मिल सके।

एआरटीओ कार्यालय जौनपुर पर सवालों की बौछार,कथित रेट लिस्ट तक,जवाबदेही के घेरे में एआरटीओ और आरआई

जौनपुर/ एआरटीओ कार्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार उठ रहे सवालों ने एक बार फिर विभागीय पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। आरोपों के केंद्र में एआरटीओ और आरआई हैं। सवाल यह है कि आखिर वे कौन लोग हैं, जो दशकों से कार्यालय के आसपास 'उपग्रह' की तरह मंडराते दिखाई देते हैं और वाहन पंजीयन, फिटनेस, ड्राइविंग लाइसेंस, टैक्स सहित विभिन्न कार्यों में लोगों की मदद के नाम पर सक्रिय रहते हैं?

सबसे बड़ा सवाल कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग को लेकर है। क्या अंदर और बाहर की एक सप्ताह की फुटेज सार्वजनिक रूप से जांच के लिए उपलब्ध कराई जा सकती है? यदि कार्यालय की कार्यप्रणाली पूरी तरह पारदर्शी है तो ऐसी रिकॉर्डिंग से परहेज क्यों? इसी के साथ कार्यालय में नियमित रूप से दिखाई देने वाले लगभग 25 चेहरों की भूमिका भी चर्चा का विषय बनी हुई है। इससे भी गंभीर आरोप कथित 'रेट लिस्ट' को लेकर हैं। लोगों के दावों के अनुसार सरकारी शुल्क के अतिरिक्त डंपर के पंजीयन पर ?25 हजार, छोटी ट्रांसपोर्ट गाड़ियों पर ?8 हजार तथा कुछ बड़े वाहनों के फिटनेस-पंजीयन के लिए ?25 हजार तक अतिरिक्त रकम मांगे जाने की बात कही जा रही है। स्थायी लाइसेंस और नवीनीकरण के लिए भी अलग-अलग रकम की चर्चा है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र एवं आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है। सवाल यह भी है कि यदि एआरटीओ कार्यालय में किसी प्रकार का भ्रष्टाचार या अनियमितता नहीं है तो विभाग के अधिकारियों और आरआई पर बार-बार ऐसे आरोप क्यों लगाए जाते हैं? क्या जिलाधिकारी या किसी उच्चाधिकारी का आकस्मिक निरीक्षण इन सवालों का निष्पक्ष उत्तर नहीं दे सकता? 'जहां आग नहीं लगी, वहां धुआं कैसे?'–इसी सवाल के साथ अब निगाहें एआरटीओ और आरआई पर हैं कि वे सामने आकर इन आरोपों पर अपना स्पष्ट पक्ष कब रखते हैं।

खेतासराय में संस्कृत सप्ताह के सप्तम दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

खेतासराय, जौनपुर। संस्कृत सप्ताह समारोह के सप्तम दिवस पर महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुति दी। सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और संस्कृत कजरी ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर व्याकरणाचार्य अखिलेश चन्द्र मिश्र ने ÷भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा÷ सूक्ति का विवेचन करते हुए कहा कि संस्कृत और भारतीय संस्कृति देश की गौरवशाली विरासत हैं। बीएड विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर अजय कुमार तिवारी ने संस्कृत भाषा के महत्व और उसकी समृद्ध परंपरा से अवगत कराया। प्राचार्य विनय कुमार सिंह ने कहा कि संस्कृत प्राचीन और वैज्ञानिक भाषा है, विद्यार्थियों को इसके अध्ययन के लिए प्रेरित होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्यामजीत पांडेय ने किया। इस दौरान प्रो. चंद्रवीर सिंह, डॉक्टर विजय कुमार पांडेय, विकास पांडेय सहित अनेक शिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सक्षिप्त खबरें...

सिंगरामऊ में लापता युवक का शव पीली नदी में मिला, दूसरे की तलाश जारी

जौनपुर। सिंगरामऊ क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर से लापता दो युवकों में से एक का शव सोमवार सुबह पीली नदी में उतराता मिला। इससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान ग्राम मल्लूपुर गोनौली निवासी गोरखनाथ पुत्र रामआसरे (24) के रूप में हुई है। दूसरा लापता युवक ग्राम बछाड़ी तियरा निवासी मोनू पुत्र रामकुमार (26) बताया जा रहा है। दोनों शुक्रवार 28 अगस्त को दोपहर करीब तीन बजे से लापता थे। बताया जा रहा है कि शुक्रवार शाम मोटरसाइकिल पुल के पास पुलिस को अहम सुराग मिला था, तब से तलाश जारी थी। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने नदी में शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर कब्जे में ले लिया। सूचना पर उपजिलाधिकारी बदलापुर भी मौके पर पहुंचे। दूसरे युवक की तलाश के लिए पुलिस नदी और आसपास के इलाकों में अभियान चला रही है। दोनों युवक नदी तक कैसे पहुंचे और मौत कैसे हुई, इसकी जांच की जा रही है।

कलेक्टर और कप्तान ने जिला कारागार का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जौनपुर। कलेक्टर डॉक्टर सैमुअल पाल एन और कप्तान अनुपम सिंह ने सोमवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न बैरकों, अस्पताल, पाकशाला और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अस्पताल में भर्ती बंदियों से उनके स्वास्थ्य और उपचार के बारे में जानकारी ली तथा उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण किया।

चिकित्सकों और कारागार प्रशासन को बंदियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पाकशाला में भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता की जांच की गई। अधिकारियों ने निर्धारित मानकों के अनुरूप पौष्टिक और स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था और साफ-सफाई को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निषाद वंश को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर। निषाद वंश की विभिन्न उपजातियों को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने और आगामी जातिगत जनगणना में वास्तविक संख्या दर्ज करने की मांग को लेकर निषाद पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि निषाद वंश की सभी पर्यायवाची जातियों को जनगणना में %मांझवार% के कॉलम में दर्ज किया जाए और साथ में विमुक्त जनजाति का उल्लेख किया जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि 1871 में अंग्रेजों के अपराधी जनजाति अधिनियम के तहत निषाद वंश को जन्मजात अपराधी घोषित किया गया था। बाद में भारत सरकार ने इस कानून को समाप्त कर समाज को विमुक्त जनजाति घोषित किया। 31 अगस्त को विमुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। ज्ञापन में 1931 की जनगणना का हवाला देते हुए कहा गया कि केवट, मल्लाह, निषाद, बिन्द, मांझवार, कश्यप, मछुआरा, माझी, रैकवार आदि एक ही वंश की पर्यायवाची जातियां हैं। आरोप है कि एक ही वंश की जातियों को अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग आरक्षण श्रेणी में रखा गया है। दिल्ली में मल्लाह को अनुसूचित जाति, बंगाल में केवट को अनुसूचित जाति और उत्तर प्रदेश में निषाद वंश को पिछड़ा वर्ग में रखा गया है। समाज ने उत्तर प्रदेश में निषाद वंश की सभी पर्यायवाची जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने, 1857 के संग्राम में शहीद निषाद वीरों के गांवों को आदर्श शहीद गांव घोषित करने और परिजनों को स्वतंत्रता सेनानी सम्मान देने की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में नगर उपाध्यक्ष दीपक निषाद, सेक्टर अध्यक्ष कमलेश बिन्द, जिला सचिव रामजीत बिन्द और कांश अध्यक्ष रामअजोर बिन्द सहित अन्य लोग शामिल रहे।

स्टेडियम टीम ने ट्रेनी सुल्तानपुर को 12-8 से हराया

सुल्तानपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का सोमवार को समापन हो गया। पुरुष हैंडबॉल के फाइनल मुकाबले में स्टेडियम टीम ने ट्रेनी सुल्तानपुर को 12-8 से हराकर खिताब जीता। जिले के प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने समापन समारोह में कहा कि सरकार खेलों के लिए हर संभव मदद को तैयार है। खेल निदेशालय की ओर से पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। तीसरे दिन पुरुष हैंडबॉल प्रतियोगिता हुई। क्रीड़ा अधिकारी राजेश कुमार सोनकर की देखरेख में कुल आठ टीमों ने इसमें भाग लिया। इनमें स्टेडियम, लिटिल एंजेल और जूनियर नारायणपुर जैसी टीमें शामिल रहीं। फाइनल में स्टेडियम के विजय नारायण और अजीत ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ट्रेनी सुल्तानपुर की ओर से कान्हा, वैभव और विनय गौड़ ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में स्टेडियम कोच प्रवीण मिश्र, आसिफ, श्वेता, रोली, कामरान और सुमित शामिल रहे। समारोह का संचालन मुनेंद्र मिश्रा ने किया। मुख्य अतिथि ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया। उन्होंने जिले के उत्कृष्ट खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को भी सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में अनूप गुप्ता, रागिनी, करन, दानिश, साहिल, सुमित गौड़, कामरान, मुकेश और शिवा पाल शामिल रहे। जानसी, सत्यमन्यू और भानू प्रसाद को भी उनके प्रदर्शन के लिए सराहा गया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह, विधायक सीताराम वर्मा, राज प्रसाद उपाध्याय मौजूद रहे।

बदलापुर जिला बने, पर स्वास्थ्य सुविधाओं का भी हो विस्तार

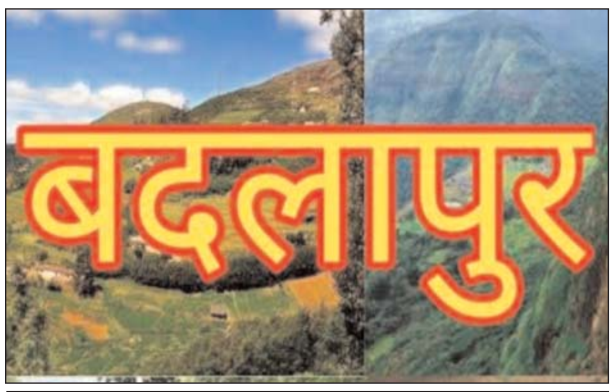

गंभीर बीमारियों के इलाज को आज भी दूसरे शहरों की दौड़, विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी बनी बड़ी चुनौती मेडिकल कालेज की अटकी योजना को मिले गति, आधुनिक चिकित्सा केन्द्र की क्षेत्रवासियों को दरकार

जौनपुर। बदलापुर को जिला बनाने की मांग लंबे समय से उठती रही है। जनपद का दर्जा मिलने से प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार और विकास की उम्मीद जरूर जगेगी, लेकिन क्षेत्र की तस्वीर तभी पूरी तरह बदलेगी, जब शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं को भी मजबूती मिले। इनमें स्वास्थ्य व्यवस्था सबसे अहम है। बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में आज भी गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए मरीजों को जौनपुर, वाराणसी, प्रयागराज और लखनऊ जैसे शहरों का रुख करना पड़ता है। सामान्य रोगों के इलाज की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध है, लेकिन गंभीर रोगों के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक, अत्याधुनिक जांच और उपचार की सुविधाएं सीमित हैं।

गंभीर बीमारी की स्थिति में समय पर उपचार बेहद जरूरी होता है। ऐसे में मरीज को कई घंटे की यात्रा कर दूसरे शहर ले जाना परिजनों के लिए परेशानी के साथ ही अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी बन जाता है। खासकर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के सामने यह समस्या और गंभीर हो जाती है।

बदलापुर में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पूर्व में भी प्रयास किए गए हैं। वर्ष 2012-17 के कार्यकाल में तत्कालीन विधायक बाबा दुबे द्वारा सरकारी अस्पताल में नई ओपीडी भवन तैयार करवाए जाने की बात सामने आती है। इसके साथ ही धनियामऊ क्षेत्र के आसपास मेडिकल कालेज लाने का प्रयास भी किया गया था। आवश्यक भूमि उपलब्ध न होने के कारण यह योजना आगे नहीं बढ़ सकी।

करीब एक दशक बाद क्षेत्र की आबादी के साथ स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें भी बढ़ी हैं। ऐसे में अटकी योजनाओं की समीक्षा कर उन्हें नए सिरे से आगे बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि बदलापुर को अब केवल अस्पताल की इमारत नहीं, बल्कि विशेषज्ञ चिकित्सकों और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त बड़ा स्वास्थ्य केन्द्र चाहिए।

हृदय रोग, गुर्दा, यकृत, हड्डी एवं जोड़, बाल रोग तथा स्त्री एवं प्रसूति रोग जैसी आवश्यक विशेषज्ञ सेवाएं यदि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हों तो हजारों परिवारों को राहत मिल सकती है। साथ ही अत्याधुनिक जांच की सुविधा मिलने से मरीजों को छोटी-बड़ी जांच के लिए भी दूसरे शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

बदलापुर को यदि भविष्य में जिले का दर्जा मिलता है तो उसके साथ ऐसा मजबूत स्वास्थ्य ढांचा भी तैयार होना चाहिए, जहां गंभीर बीमारी के इलाज के लिए मरीज को जौनपुर, वाराणसी, प्रयागराज या लखनऊ जाने की मजबूरी न रहे

बारिश में बह गई व्यवस्था... चारों तरफ जलभराव

सुल्तानपुर। रातभर हुई मूसलाधार बारिश सोमवार सुबह लोगों के लिए आफत बन गई। शहर से लेकर गांव तक सड़कें पानी में डूब गईं और घरों-दुकानों तक पानी पहुंच गया। सुबह कामकाज के लिए निकले लोगों को घुटनों तक पानी से होकर गुजरना पड़ा। कई लोग भीगते हुए गंतव्य तक पहुंचे। अमहट मंडी में जलभराव से कारोबार प्रभावित रहा। खेत में पानी भरने से पशुओं के हरे चारे का संकट खड़ा हो गया। शहर के प्रमुख मोहल्लों में सोमवार को जलभराव रहा। सड़क किनारे बने गड्ढे पानी में छिप जाने से बाइक सवारों के लिए खतरा बढ़ गया। अमहट मंडी में सड़क पर पानी भरने से दुकानदारों और ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित रही। कई जगहों पर पानी की निकासी न होने से दोपहर तक स्थिति सामान्य नहीं हो सकी। भदैंया के दक्षिणी छोर पर बजेठी और आसपास के गांवों में जलभराव ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दीं। सड़कें डूबने के साथ कई घरों में पानी पहुंच गया। पखरौली के फतेहपुर पुरवे में शंकर विश्वकर्मा, रामजीत और दिनेश समेत कई लोगों के घरों में पानी घुस गया। ग्रामीणों ने ईंट-मिट्टी लगाकर पानी रोकने का प्रयास किया। उनका कहना है कि हर बारिश में जलभराव होता है, लेकिन जलनिकासी का स्थायी इंतजाम नहीं किया गया। बारिश का पानी खेतों में भरने से पशुपालकों की चिंता भी बढ़ गई। खेतों में खड़ी चारे की फसल पानी में डूब गई। इससे पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था करना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों को अब दूसरे स्थानों से चारा जुटाना पड़ रहा है। झलियाहवां पाल्हनपुर गांव में राजेंद्र कुमार का कच्चा मकान ढह गया। हादसे के समय घर में कोई नहीं था, इसलिए जनहानि नहीं हुई। खाद्य सामग्री, बर्तन और गृहस्थी का सामान मलबे में दबकर खराब हो गया। परिवार को रिश्तेदार के घर शरण लेनी पड़ी। लेखपाल संजय यादव ने जांच के बाद नियमानुसार कार्यवाही की बात कही। लंभुआ के मदनपुर गांव में तेज हवा के बीच महुआ का पेड़ कच्चे मकान पर गिर गया। मलबे में दबकर ममता गौतम गंभीर घायल हो गईं। उन्हें मेडिकल कॉलेज से ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया। उनके दादा रामफेर को भी चोट लगी। दूल्हापुर में श्यामनारायण दुबे का कच्चा मकान ढहकर पड़ोसी के पक्के मकान पर गिर गया। गृहस्थी का सामान क्षतिग्रस्त हो गया। प्रभारी एडीओ पंचायत संगीता सरोज ने बताया कि टीम भेजकर पानी की निकासी की व्यवस्था कराई जा रही है। प्रधान विष्णु शंकर ने रास्ते के सुधार का प्रस्ताव होने की जानकारी दी।

अलीगंज। सोमवार सुबह पुराना हाईवे और मझना रोड तिराहा पानी में डूबा रहा। राहगीरों को घुटनों तक पानी से होकर गुजरना पड़ा। दुकानों और घरों में पानी घुसने से लोगों को सामान बचाने की जद्दोजहद करनी पड़ी। सबसे अधिक परेशानी सुबह स्कूल, काम और बाजार जाने वाले लोगों को हुई। कपड़े और जरूरी सामान बचाते हुए लोगों को जलभराव पार करना पड़ा।

राज्य शिक्षक सम्मान के लिए संजय मिश्रा का चयन जनपद के परिषदीय शिक्षकों की कर्मठता का प्रमाण-अमित सिंह

?जौनपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय संयुक्त महामंत्री व जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कंपोजिट विद्यालय गरियाव के प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं मुंगराबादशाहपुर ब्लॉक अध्यक्ष संजय मिश्रा को उत्तर प्रदेश के सर्वोच्च %राज्य शिक्षक सम्मान% सूची में स्थान बनाने पर बधाई दी है।

?अमित सिंह ने कहा कि संजय मिश्रा जी ने अपने उत्कृष्ट शिक्षण कार्य और नवाचारों के बल पर यह सर्वोच्च मुकाम हासिल किया है। पूरे जनपद के प्रतिनिधित्व के रूप में उनका यह चयन बेसिक शिक्षा परिवार की कर्मठता और शिक्षकों के समर्पण को रेखांकित करता है। आगामी 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा उन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह सफलता जनपद के शिक्षकों में एक नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करेगी।

मायावती ने 2027 के लिए फूंका बिगुल, बोलीं–'रेवड़ियों' के सहारे चुनावी छलावे से रहें सावधान

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के बीच बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख मायावती ने सोमवार को सियासी मोर्चा खोलते हुए विरोधी दलों की चुनावी रणनीति पर सीधा हमला बोला। 'रेवड़ियों', लुभावने वादों और चुनावी घोषणाओं को लेकर मतदाताओं को आगाह करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले निजी लाभ का लालच देकर वोट प्रभावित करने की कोशिशों से जनता को सावधान रहना चाहिए। उन्होंने पार्टी के प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक के संगठन को चुनावी तैयारी में जुटने का निर्देश देते हुए 2027 में बीएसपी की पांचवीं बार सरकार बनाने का लक्ष्य सामने रखा। मायावती ने लखनऊ में पार्टी के प्रदेश, मंडल और सभी 75 जिलों के अध्यक्षों समेत वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में खास तौर पर पार्टी उम्मीदवारों के चयन की प्रगति, संगठन की स्थिति और पिछले दो बैठकों के बाद बूथ स्तर तक किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से चुनावी तैयारियों को और तेज एवं प्रभावी बनाने का आह्वान किया। मायावती ने कहा कि विरोधी दलों के साम दाम, दंड और भेद जैसे हथकंडों का मुकाबला करते हुए उत्तर प्रदेश में बीएसपी की पांचवीं बार सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत से काम करना होगा। मायावती ने चुनाव से पहले महिलाओं समेत मतदाताओं को निजी लाभ पहुंचाने वाली 'रेवड़ियों' तथा विभिन्न प्रकार के लुभावने वादों और घोषणाओं के जरिए चुनाव को प्रभावित करने की कोशिशों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद सरकार बनने पर वादाखिलाफी की स्थिति को देखते हुए उत्तर प्रदेश की जनता को ऐसे चुनावी छलावे से पहले ही सावधान करना जरूरी है। मायावती ने मतदाताओं से विरोधी पार्टियों के छलावे और विश्वासघात से बचने तथा अपनी मर्जी के मुताबिक स्वतंत्र और निष्पक्ष होकर मतदान करने की अपील की। बीएसपी प्रमुख ने कहा कि इसे केवल चुनावी मुद्दे के तौर पर नहीं, बल्कि देश और जनहित के लिहाज से भी गंभीरता से देखा जाना चाहिए। मायावती ने विभिन्न राज्यों में चुनाव के बाद सरकारों की कथित वादाखिलाफी, विश्वासघात और जनहित एवं जनकल्याण के प्रति गैर-जिम्मेदारी को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीएसपी ऐसे जनविरोधी रवैये के खिलाफ संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि 'जेन-जी' और 'जेन-अल्फा' के लोग भी जनविरोधी रवैये और कार्यकलापों के कारण संघर्ष के लिए उतर रहे हैं और पुलिस मुकदमों जैसे सरकारी दमन का सामना कर रहे हैं। मायावती ने कहा कि सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे जनहित और जनकल्याण को प्राथमिकता दें तथा संवैधानिक जिम्मेदारी के तहत हर वर्ष जनता के हित में काम करें। उनके मुताबिक, केवल चुनाव के समय किए जाने वाले वादे और घोषणाएं जनता की समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकतीं। बीएसपी प्रमुख ने महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और पिछड़ेपन को लेकर भी सरकारों को घेरा। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के कारण उत्तर प्रदेश की जनता मजबूरी में लगातार दूसरे राज्यों में पलायन कर रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय सरकार की ओर से किए जाने वाले वादे और घोषणाएं अक्सर 'झूठ के मुंह में जीरा' साबित होती हैं और चुनावी छलावे से ज्यादा कुछ नहीं लगतीं। मायावती ने कहा कि सरकारों को चुनावी मौसम का इंतजार करने के बजाय पूरे कार्यकाल में जनता की समस्याओं के समाधान के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में बीएसपी की सरकारों ने किसी मुहूर्त या चुनाव की प्रतीक्षा किए बिना लगातार काम किया और सामाजिक परिवर्तन तथा आर्थिक मुक्ति से जुड़े कार्यों को अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक तौर पर करके दिखाया। मायावती ने कार्यकर्ताओं को 2027 के लिए स्पष्ट राजनीतिक लक्ष्य देते हुए कहा कि बीएसपी को उत्तर प्रदेश में पांचवीं बार सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी ऐसी सरकार बनाने के लिए काम करेगी जिसमें 'कानून द्वारा कानून का बेहतर राज' हो और शोषण, अत्याचार तथा भ्रष्टाचार से मुक्त व्यवस्था कायम की जाए। बैठक में बीएसपी संस्थापक एवं जन्मदाता मान्यवर कांशीराम की 9 अक्टूबर को पुण्यतिथि के कार्यक्रम की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। मायावती ने कार्यक्रम को पूरी मिशनरी भावना के साथ आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष लखनऊ में वीआईपी रोड पर बीएसपी सरकार द्वारा पर्यटन स्थल के रूप में विकसित भव्य 'बौद्ध स्मृति उपवन' के सामने विशाल गुंबद के आकार के 'मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल' में कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत पूरे प्रदेश से लोग यहां एकत्र होंगे और कांशीराम के मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। मायावती ने यूपी-दिल्ली सीमा पर बीएसपी सरकार द्वारा स्थापित 'बहुजन प्रेरणा केंद्र' में रख-रखाव का सरकारी कार्य चलने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वहां बड़ी संख्या में लोगों के जुटने पर किसी दुर्घटना की आशंका को देखते हुए इस वर्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश, प्रदेश के अन्य क्षेत्रों और राजधानी लखनऊ में रहने वाले लोग 'मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल' पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करेंगे। मायावती ने पड़ोसी देश नेपाल में बाढ़ से हुई भारी जान-माल की क्षति पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भी बाढ़ की विभीषिका को देखते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को प्रभावित लोगों की हर संभव मदद के लिए तत्काल आगे आना चाहिए।

अंकित बालियान हत्याकांड: डीजीपी बोले– दो शूटर मारे गए, दो की तलाश जारी, साजिशकर्ताओं को भी नहीं बख्शेंगे

- अंकित बालियान हत्याकांड से जुड़े दो शूटरों को यूपी पुलिस और एसटीएफ ने मार गिराया।
- यूपी डीजीपी ने कहा कि दो अन्य शूटरों की तलाश की जा रही है। वहीं, शूटरों को हथियार देने वालों के साथ शूटरों को शरण देने वाले भी चिन्हित किए जा रहे हैं।

संवाददाता

लखनऊ । अंकित बालियान हत्याकांड में यूपी पुलिस और एसटीएफ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शूटरों को मुठभेड़ में मार गिराया और दो की तलाश की जा रही है। कार्रवाई की जानकारी देते हुए यूपी डीजीपी राजीव कृष्ण ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन में शामली पुलिस के साथ ही मेरठ और नोएडा पुलिस को शामिल किया गया था। इसके लिए 11 पुलिस अधिकारियों की टीमें बनाई गई थीं जिससे कि दिल्ली, हिमाचल और हरियाणा पुलिस के समन्वय से शूटरों को जल्दी ट्रेस करने में मदद मिली। यूपी डीजीपी ने कहा कि यूपी पुलिस की कार्रवाई सिर्फ शूटरों तक सीमित नहीं रहेगी। जेल से लेकर विदेश में बैठे साजिशकर्ताओं तक कार्रवाई की जाएगी। दूसरे प्रदेशों के गैंग ये ना सोचें की यूपी में अपराध कर बच जाएंगे, वह जहां होंगे वहां कार्रवाई होगी। यूपी में किसी भी गैंग को पांव नहीं पसारने देंगे। यूपी डीजीपी ने बताया कि अंकित बालियान हत्याकांड में गोगी गैंग की भूमिका सामने आई है। वारदात में जो भी शामिल हैं उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल हत्या की वजह एक गाना बनाया जाना सामने आया है। बाकी हर पहलू पर जांच की जा रही है। शूटरों को हथियार देने वालों के साथ शूटरों को शरण देने वाले भी चिन्हित किए जा रहे हैं, सब पर कार्रवाई होगी।

अंकित के पिता बोले– अभी आधा ही न्याय मिला है

दो शूटरों के मारे जाने की सूचना के बाद अंकित के पिता सतबीर सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से मुठभेड़ और मारे गए बदमाशों के बारे में जानकारी ली। एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने उन्हें भरोसा दिलाया कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों और शूटरों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरी गंभीरता से जांच कर रही है और अंकित के परिवार के साथ है। अंकित के पिता सतबीर सिंह फौजी ने कहा कि उन्हें योगी सरकार और पुलिस पर पूरा विश्वास है। मुठभेड़ में दो शूटरों के मारे जाने से उन्हें उम्मीद जगी है, लेकिन अभी आधा ही इंसाफ मिला है। हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों का एनकाउंटर होने के बाद ही उन्हें पूरा न्याय मिलेगा।

कच्चे मकान की छत गिरने से महिला की मृत्यु, घटना का उपमुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

लखनऊ 31!अगस्त। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कौशाम्बी के सिराथू ब्लॉक के ग्राम उदहीन खुर्द में कच्चे मकान की छत गिरने के कारण जुग्गी लाल की पत्नी कलुई की मृत्यु की दुखद घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी कौशाम्बी को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि सक्षम अधिकारियों को तत्काल मौके पर भेजकर घटना की जानकारी प्राप्त की जाए तथा नियमानुसार राहत एवं सहायता की कार्यवाही की जाए।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा, सम्मान और सहायता के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। वर्षा ऋतु के दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अतिवृष्टि, जलभराव, कच्चे मकानों के क्षतिग्रस्त होने तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित घटनाओं की सरकार द्वारा निरंतर निगरानी की जा रही है।वर्षा ऋतु में प्रशासन की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। ऐसे में जिलाधिकारी एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्कता बनाए रखें।

युवा कहानीकार अपनी आवाज से दुनिया तक पहुंचाएं उत्तर प्रदेश की संस्कृति– जयवीर

संवाददाता

लखनऊ ।डिजिटल दुनिया में %जेन-जी% की पसंद और उनकी आवाज संस्कृति व यात्रा के नए रुझान तय कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के युवाओं को अपने शहरों की संस्कृति, विरासत और खासियतों का प्रतिनिधि बनाने की पहल की है। %विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश% अभियान के तहत उत्तर प्रदेश पर्यटन ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे अपने शहर की अनकही कहानियों, स्थानीय संस्कृति और खास पहचान को अपनी आवाज में महज 60 सेकंड की रील के जरिए दुनिया के सामने लाएं।शहर के विरासत से जुड़ी अनकही कहानियां हों या स्थानीय व्यंजन का स्वाद, सदियों पुरानी परंपराएं हों या फिर पर्यटकों की नजरों से अब तक दूर रहे अल्पज्ञात स्थल, %विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश% अभियान के जरिए प्रदेश को उन लोगों की नजर से दिखाने की तैयारी है, जो अपने शहर और उसकी पहचान को सबसे करीब से जानते हैं। स्थानीय निवासी खुद कैमरे के सामने आकर अपने शहर के विशेष अनुभव और विशेषताओं की कहानी के रूप में साझा कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य किसी स्थान की पहचान को केवल तस्वीरों और सूचनाओं तक सीमित न रखकर वहां के लोगों की आवाज और अनुभवों के जरिए उसकी असली कहानी व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाना है।युवाओं के बीच पर्यटन स्थलों को खोजने और जानने के बदलते तरीकों को देखते हुए यूपी पर्यटन ने इस अभियान को रील्स के माध्यम से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। वर्तमान समय में यात्रा की योजना बनाने से पहले युवा छोटे वीडियो, लोगों के अनुभवों और कंटेंट क्रिएटर्स की राय को तेजी से महत्व दे रहे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर साझा होने वाले ऐसे अनुभव न सिर्फ लोकप्रिय पर्यटन स्थलों को विशिष्ट पहचान दे रहे हैं, बल्कि अल्पज्ञात स्थलों को भी व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचा रहे हैं। %विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश% अभियान का उद्देश्य इसी डिजिटल रुचि को प्रदेश के पर्यटन से जोड़ते हुए नया आयाम देना है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि %उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान केवल उसके प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक सीमित नहीं है। प्रदेश के हर जिले, शहर और गांव की अपनी अलग कहानी और पहचान है। यहां की स्थानीय खान-पान की परंपराएं, हस्तशिल्प, त्योहार, रीति-रिवाज, लोग और उनसे जुड़ी कहानियां उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि %विजिट माय स्टेट% अभियान के जरिए प्रदेश की जेन-जी सहित अन्य युवाओं को अपने-अपने शहरों का सांस्कृतिक दूत बनाने की पहल की जा रही है। युवा अपनी आवाज और शब्दों में अपने शहर की खासियतों को दुनिया के सामने प्रस्तुत करेंगे, जिससे आगंतुकों को उत्तर प्रदेश को अधिक रोचक और नए नजरिए से जानने का अवसर मिलेगा।%अभियान में भाग लेने की प्रक्रिया को भी युवाओं के लिए बेहद सरल रखा गया है। प्रतिभागियों को अपने शहर की खास पहचान और उसकी कहानी अपनी आवाज में अधिकतम 60 सेकंड की रील के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी। वीडियो में प्रतिभागी का स्वयं कैमरे के सामने आना जरूरी होगा, जिसमें उनका चेहरा स्पष्ट दिखाई दे और आवाज साफ सुनाई दे। खास बात यह है कि शहर की कहानी किसी तय स्क्रिप्ट के बजाय युवा अपने शब्दों और अपने अंदाज में सुनाएंगे।

सावन में गूंजा 'शंकरा' का जयकारा, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने किया गीत का प्रमोशन

संवाददाता

लखनऊ।सावन के पावन अवसर पर नव म्यूज़िका का नया भक्ति गीत 'शंकरा' लॉन्च किया गया। भगवान शिव को समर्पित यह गीत रिलीज होते ही संगीत प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। गीत को अपनी आवाज देने वाले सुधीर यदुवंशी फिल्म धुरंधर के चर्चित गीत 'आरी-आरी' के लिए भी लोकप्रिय हैं।

गीत के प्रमोशन के सिलसिले में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अभिनेता नवीन कुमार से मुलाकात की और 'शंकरा' के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर गीत की टीम ने बताया कि सावन के माहौल को ध्यान में रखते हुए 'शंकरा' को भक्ति, संगीत और आधुनिक प्रस्तुति के सुंदर संगम के रूप में तैयार किया गया है। आयोजकों को उम्मीद है कि भगवान शिव की भक्ति से सराबोर यह गीत सावन में श्रद्धालुओं और संगीत प्रेमियों के बीच खास पहचान बनाएगा।

विमुक्ति जनजाति दिवस पर प्रदेश की सभी तहसीलों में निषाद पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

लखनऊ 31अगस्त। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद के नेतृत्व में निषाद पार्टी द्वारा आज विमुक्ति जनजाति दिवस के अवसर पर प्रदेश की तहसीलों में विमुक्त जनजाति एवं मछुआ समाज के अधिकारों को लेकर एसडीएम के माध्यम से राष्ट्रपति प्रधानमंत्री गृहमंत्री एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया।निषाद पार्टी द्वारा विगत 12 वर्षों से विमुक्ति जनजाति दिवस के अवसर पर विमुक्त एवं मछुआ समाज के अधिकारों को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। आज प्रदेशभर में पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने तहसील मुख्यालयों पर पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।डॉ निषाद ने कहा कि अंग्रेजी शासनकाल में क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट, 1871 जैसे काले कानून के माध्यम से देश की अनेक जातियों एवं समुदायों को जन्मजात अपराधी घोषित कर दिया गया था। स्वतंत्र भारत में इस कानून को 31 अगस्त 1952 को समाप्त किया गया और इन समुदायों को विमुक्त जनजाति के रूप में मान्यता मिली। इसी ऐतिहासिक दिन की स्मृति में प्रत्येक वर्ष विमुक्ति जनजाति दिवस मनाया जाता है।निषाद पार्टी द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में विमुक्त जनजाति एवं मछुआ समाज के सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक, संवैधानिक अधिकारो की मांग की गई।श्री निषाद ने कहा कि समान सामाजिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वाले समुदायों को अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग संवैधानिक श्रेणियों में रखे जाने से सामाजिक एवं आरक्षण संबंधी विसंगतियां उत्पन्न हुई हैं।

जनता दर्शन : भाई ने बताई बहन की तकलीफ तो सीएम योगी ने तुरंत अस्पताल में कराया भर्ती

संवाददाता

लखनऊ । %जनता दर्शन% में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अति मानवीय रूप देख अन्य आगंतुक अपनी पीड़ा भूल गए। सीएम योगी का यह रूप देख किसी की भावनाएं आंसुओं के जरिए निकल पड़ीं तो किसी ने अपनी कुर्सी से ही हाथ जोड़कर मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता के प्रति आभार जताया। दरअसल, अयोध्या से आए एक भाई-बहन जनता दर्शन में पहुंचे। भाई ने मुख्यमंत्री से बताया कि उनकी बहन गंभीर रूप से बीमार हैं। वह बहन को लेकर लखनऊ आए हैं, उन्हें जल्द से जल्द इलाज की आवश्यकता है। इस पर मुख्यमंत्री ने पीड़िता को तत्काल लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज भी शुरू हो गया है। अयोध्या से आए श्याम सोनकर ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनकी बहन बबिता कुछ दिनों से अयोध्या में भर्ती थीं, डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया है। परिवार अत्यंत गरीब है, इसलिए इलाज में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर मुख्यमंत्री ने अपने आवास से तत्काल पीड़िता को एंबुलेंस से डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान गोमती नगर, भिजवाया।

मुख्यमंत्री का निर्देश मिलने के बाद डॉक्टरों की देख-रेख में मरीज का इलाज प्रारंभ हो गया। मुख्यमंत्री ने पीड़िता के परिजनों को जल्द से जल्द आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया। बहन बबिता के एडमिट होते ही उनके भाई श्याम ने चैन की सांस ली। डॉक्टरों को उन्होंने पूरी बीमारी आदि के बारे में विस्तृत रूप से बताया। इलाज की प्रक्रिया प्रारंभ होते ही श्याम की आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने फोन करके मुख्यमंत्री आवास को इसकी जानकारी भी दी और धन्यवाद भी ज्ञापित किया। 'जनता दर्शन' में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण कराकर शासन में उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने आश्वस्त किया कि धन की कमी के कारण किसी का इलाज नहीं रुकेगा। %जनता दर्शन% में एक मासूम अपनी मां के साथ आई थी। सीएम ने उनकी मां की समस्या सुनी, फिर बच्ची से मुखातिब हुए और दुलारा-पुचकारा।

विपक्ष के नेताओं को बदनाम करने के लिए एआई वीडियो बनाकर वायरल कर रही सरकार : अखिलेश यादव

संवाददाता

लखनऊ । सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। पीडब्ल्यूडी में जमकर लूट मची हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष को बदनाम करने के लिए एआई वीडियो का सहारा ले रही है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को लखनऊ में मीडिया को संबोधित करते हुए योगी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष के नेताओं को बदनाम करने के लिए एआई से वीडियो बनाकर सर्कुलेट कर रही है। वो ऐसा न करें एआई में हम उन्हें पीछे कर देंगे। कांफ्रेंस में सीएम योगी को लेकर बनाए गए एक एआई वीडियो को भी दिखाया गया जिसमें प्रदेश सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाने सहित कई मुद्दे उठाए गए। उन्होंने कहा कि सरकार हमें बदनाम करने के लिए बच्चों के खेल न खेले एआई में हम उनसे काफी आगे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में इस समय बड़े पैमाने पर लूट हो रही है। ये अब तक यूपी की सबसे ज्यादा भ्रष्ट सरकार है। प्रदेश सरकार स्कूल बंद करवा रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी शिक्षक दिवस के अवसर पर बंद किए गए 26 हजार स्कूलों में कार्यक्रम करेगी और 2027 में सरकार बनने पर सभी स्कूलों को फिर से खोला जाएगा। योगी सरकार ने कानपुर लखनऊ एक्सप्रेस वे बनाया जिसमें गड्ढे हो गए। अब कहा जा रहा है कि डिजाइन बनाने में गड़बड़ी हुई तो ऐसे में सवाल है कि इसमें गलती किसकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया था वो भी खराब हो गया है। उसमें गड्ढे हो गए हैं। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी में लूट मची हुई है। प्रयागराज में कुंभ से लेकर अब तक 1 लाख करोड़ से ज्यादा खर्च हो गया है पर क्या विकास हुआ है। सरकार में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। प्रदेश भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया जयंत चौधरी को 61 सीटें मिलें तो सम्मान बढ़ेगा

अखिलेश यादव ने कैबिनेट मंत्री जयंत चौधरी को लेकर कहा कि भाजपा उन्हें 61 सीटें दे तब उनका सम्मान होगा।

जेम पर 1 लाख करोड़ से अधिक की खरीद, तीन राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित

संवाददाता

लखनऊ ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने सार्वजनिक खरीद व्यवस्था में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राज्य ने गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस जेम पर 2017 में इसकी स्थापना से अब तक 1 लाख करोड़ यानि 1 ट्रिलियन से अधिक की खरीद दर्ज कर नया रिकॉर्ड बनाया है। देश के सभी राज्यों द्वारा जेम के माध्यम से की गई कुल खरीद में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से अधिक है। यह उपलब्धि प्रदेश में डिजिटल गवर्नेंस, ट्रांसपेरेंसी, एफिशियंसी और इन्क्लूसिव पब्लिक प्रोक्योरमेंट को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार की नीतियों की प्रभावशीलता को दर्शाती है उत्तर प्रदेश की इस उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता मिली है। 10 अगस्त 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित जेम के 10वें स्थापना दिवस समारोह में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उत्तर प्रदेश को सार्वजनिक खरीद के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए तीन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश को मिले पुरस्कारों में- जेम ओवरऑल एक्सीलेंस अवार्ड, हाईएस्ट जेम प्रोक्योरमेंट वैल्यू और बेस्ट आउटरीच बिल्डिंग अवार्ड शामिल हैं। इन पुरस्कारों को उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव शशिभूषण लाल सुशील ने प्राप्त किया।उत्तर प्रदेश की यह उपलब्धि केवल सरकारी खरीद के आंकड़े तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे योगी सरकार के गुड गवर्नेंस और डिजिटल गवर्नेंस मॉडल की महत्वपूर्ण सफलता के रूप में देखा जा रहा है। जेम के व्यापक उपयोग से सरकारी विभागों की खरीद प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी, सरल और जवाबदेह बनाने में मदद मिली है। सरकारी खरीद में डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल से पारंपरिक प्रक्रियाओं में होने वाली जटिलताओं को कम करने, अधिक विक्रेताओं को प्रतिस्पर्धा का अवसर देने और सरकारी संस्थानों को बेहतर कीमत पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद एवं सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव आया है।जेम पर 1 लाख करोड़ रूपये से अधिक की खरीद यह दर्शाती है कि उत्तर प्रदेश के सरकारी विभागों और सार्वजनिक संस्थानों ने डिजिटल खरीद व्यवस्था को बड़े पैमाने पर अपनाया है। इसके माध्यम से खरीद प्रक्रिया में ट्रांसपेरेंसी। कम्पीटीशन, एफिशियंसी और 'वैल्यू फॉर मनी' को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। जेम के माध्यम से उत्तर प्रदेश ने सरकारी खरीद को केवल बड़े कारोबारियों ।

सम्पादकीय

देशभक्ति के बाद अब हिन्दू होने का भी सर्टिफिकेट !

राहुल की बातों और मोहन भागवत की बातों में यही फर्क है। राहुल जो कहते हैं करने के लिए और मोहन भागवत से लेकर प्रधानमंत्री मोदी तक जो कहते हैं वह सामने वाले को बेवकूफ बनाने के लिए। और सामने उनके अपने ही लोग होते हैं उन्हें ही मूर्ख बनाने की कोशिश करते हैं। समस्या यह है कि उनकी पूरी ट्रेनिंग ही नकारात्मक विचारों के बीच हुई है। यह मानकर कि कु छ भी कहा जा सकता है और किया उसका ठीक उल्टा भी जा सकता है। भागवत जी अमेरिका में हिन्दुओं पर ही सवाल उठा रहे हैं। उन्हीं हिन्दुओं पर जिनके लिए सौ साल पहले उनका संगठन बना था और आज भी वह नहीं कहता कि यह भारतीयों का संगठन है, वही कहता है कि हिन्दुओं का संगठन। वहां न्यूयार्क में वे कहते हैं कि जो हिन्दू यह समझता है कि मुस्लिम भारत में नहीं रह सकते वह हिन्दू नहीं है। वाह! हालांकि यह बयान बहुत विरोधाभासी है और संघ के लिए इस तरह की बातें करना कोई नई चीज नहीं है मगर फिर भी इसकी छुपी हुई परतें खोलना होगीं। क्योंकि भाजपा संघ इसके सहारे अपने को उदार बताने की कोशिश करेगा और गोदी मीडिया इसका ढोल पीटेगा। जो उसने शुरू कर दिया है। तो नंबर एक यह बयान राहुल के छात्र- युवा, महिला, दलित, ओबीसी के मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए दिया गया है। और अपने एवं भाजपा के प्रिय विषय हिन्दू-मुसलमान पर फिर से बहस को लाने के लिए। हिन्दू-मुसलमान ही इनकी प्राण वायु है। वह कम होते ही यह छटपटाने लगते हैं। राहुल ने देश की राजनीति से हिन्दू मुसलमान के सवाल को हटाकर शिक्षा, स्कूल, नौकरी, गरीबी, महंगाई जैसे असली सवालों को ला खड़ा किया है। इसकी कोई काट मोदी के पास नहीं है। इसलिए भागवत उनकी मदद के लिए आए हैं। और हिन्दू-मुसलमान को नए रंग में लाकर कोशिश कर रहे हैं कि देश में अजेंडा फिर इसी मुद्दे पर सेट हो जाए। लेकिन वे राहुल को नहीं जानते। यह समय उनका आ गया है। और वे बहुत साफ कहते हैं कि भाजपा-संघ क्या कह रहे हैं इससे मुझे कोई मतलब नहीं। प्रधानमंत्री मोदी का नाम लेकर शनिवार को प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि- उनके कहने या न कहने में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है। और राहुल जब इस तरह संघ भाजपा के मुद्दों को नजरअंदाज करेंगे तो वह फिर देश का मुख्य मुद्दा बन ही नहीं सकता। और बिना हिन्दू-मुसलमान के मुद्दे के मोदी राजनीति नहीं कर सकते और भागवत संघ नहीं चला सकते। दूसरी बात भागवत ने यह बयान न्यूयार्क में दिया है। 2018 के एक कार्यक्रम का हवाला देकर। उसके बाद लंबा समय हो गया। 8 साल। भारत में भी यह बात कह सकते थे। मगर अमेरिका में कहा क्यों? क्योंकि वहां उनकी विभाजनकारी नीतियों का बहुत विरोध हो रहा है। लोग प्लेकार्ड लेकर सड़कों पर उतरे हैं। न्यूयार्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि मेरे पास अधिकार नहीं हैं वरना मैं किसी विभाजनकारी विचारधारा को यहां फैलाने की इजाजत नहीं देता। न्यूयार्क बहुलतावादी विचारों का शहर है। और संघ के विचार इसके ठीक उलट हैं। उनके अलावा मानवाधिकार संगठनों ने साफ कहा कि संघ की विचारधारा असहिष्णुता और भेदभाव को बढ़ावा देती है। और वहां खासतौर से क्रिश्चयन की बात ज्यादा हुई कहा कि उनके और मुस्लिम के खिलाफ नफरत फैलाते हैं। 2014 में मोदी सरकार आने के बाद सबसे पहले चर्च जलाने, उन्हें तोड़ने की ही घटनाएं हुईं। तो भागवत के लिए वहां अपनी सफाई देना जरूरी था। भारत के बाद दुनिया के लोगों को बेवकूफ बनाने के लिए। मगर विचार बदले बिना चोला बदलने से कुछ नहीं होगा। आज के जमाने में जब जानकारियां सबके पास हों तो आपका कहो कुछ करो कुछ नहीं चल सकता। संघ और भाजपा अपनी सबसे बड़ी ताकत अपने कई चेहरे ही समझते थे। मगर जब तक आपको कुछ काम करने का मौका न मिले तब तक तो चल जाता है। लेकिन जब सत्ता में आ गए और साढ़े बारह साल हो गए तो सबको मालूम पड़ गया कि यह बोलते कुछ हैं और करते कुछ। अभी न्यूयार्क में जो कहा है उसका संबंध मुस्लिम से उतना नहीं है। जितना हिन्दू से है। उस हिन्दू से जिसे हमेशा मुस्लिम के खिलाफ भड़काते रहे। पचासों उदाहरण हैं। जिन्हें बार-बार बताने से कोई फायदा नहीं। सबको कुछ न कुछ याद हैं। उनसे अब कह रहे हैं कि अगर तुम मुस्लिम को भारत से बाहर करने की सोच रहे हो तो तुम हिन्दू नहीं! बताइये हिन्दुओं का सबसे बड़े ठेकेदार बनने वाला संघ अब उन्हें कह रहा है कि तुम हिन्दू नहीं! अभी तक देशभक्ति के सर्टिफिकेट बांटते थे अब हिन्दू होने के भी बांटने लगे! क्या होगा गिरराज सिंह का जो सबको पाकिस्तान भेजा करते हैं। और वे मोदी सरकार में मंत्री हैं इसलिए उनका नाम सबसे ज्यादा याद आ जाता है मगर ऐसे जाने कितने इनके मुख्यमंत्री, सांसद और दूसरे नेता हैं जो भारत से निकालने के साथ और भी क्या-क्या कहते रहते हैं। भागवतजी क्या इन्हें हिन्दू धर्म से निकालेंगे? अब तो हालत यह कर दी है कि इनके नेता मुख्यमंत्री शंकराचार्यों को भी कुछ भी कह देते हैं। तो क्या भागवत जी वहीं विदेश से मैसेज देंगे कि ऐसे सभी लोगों को मैं भारत आने के साथ धर्म बाहर कर दूंगा? भागवत एक असफल प्रयास कर रहे हैं। नरेटिव बदलने का। जिस काम के मोदी एक्सपर्ट थे वे नहीं कर पाए तो अब भागवत के कहने से उनकी, मोदी की, संघ की, भाजपा की छवि नहीं सुधरने वाली। देश के साथ अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भी अब यह स्थापित हो गया है कि संघ भाजपा मोदी विभाजनकारी विचारों के हैं। बहुलतावाद के विरोधी। इसीलिए भागवत को विविधता में एकता कहना पड़ा। राजनीति यही तो संविधान की प्रस्तावना में कहा गया है। और राहुल संविधान की प्रति लेकर यही तो बताते हैं। आज जब देश में दलित, पिछड़े, आदिवासी के खिलाफ दक्षिण के राज्यों के खिलाफ, विभिन्न खान-पान के खिलाफ यहां तक की कपड़ों पर जिसे खुद प्रधानमंत्री कहते हैं कि कपड़ों से पहचान लेते हैं।

बिहार के 'सहयोग मॉडल' से बाकि राज्यों को भी सीखने की जरूरत

छात्रों की शिकायतें अक्सर लंबे समय तक अनसुलझी रहती हैं, इसकी बड़ी वजह प्रशासनिक प्रक्रिया की जटिलता है। किसी छात्र को हॉस्टल की सफाई, भोजन की गुणवत्ता, बिजली-पानी या फीस से जुड़ी दिक्कत होने पर पहले वार्डन, फिर प्रिंसिपल और जरूरत पड़ने पर जिला शिक्षा कार्यालय तक जाना पड़ता है।

संजीव कुमार मिश्र

क्या किसी सरकारी स्कूल या हॉस्टल में गंदा पानी, खराब खाना या बिजली की किल्लत जैसी रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान 30 दिन के भीतर पाना संभव है?...जहां देश के अधिकांश राज्यों में छात्र ऐसी बुनियादी सुविधाओं के लिए महीनों प्रशासनिक चक्कर काटने या सड़कों पर उतरने को मजबूर होते हैं, वहीं बिहार सरकार ने एक पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था से इस धारणा को बदलने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा शुरू की गई इस नई पहल ने छात्र शिकायतों के निपटारे का एक ऐसा मॉडल पेश किया है, जिसकी गूंज अब देश भर में सुनाई दे रही है। छात्रों की शिकायतें अक्सर लंबे समय तक अनसुलझी रहती हैं, इसकी बड़ी वजह प्रशासनिक प्रक्रिया की जटिलता है। किसी छात्र को हॉस्टल की सफाई, भोजन की गुणवत्ता, बिजली-पानी या फीस से जुड़ी दिक्कत होने पर पहले वार्डन, फिर प्रिंसिपल और जरूरत पड़ने पर जिला शिक्षा कार्यालय तक जाना पड़ता है। इस प्रक्रिया में न तो कोई तय समयसीमा होती है और न ही स्पष्ट जवाबदेही तय होती है, जिस वजह से छोटी शिकायतें भी हफ्तों-महीनों तक लंबित रह जाती हैं। बिहार सरकार के विद्यार्थी सहयोग पोर्टल की खासियत यह है कि शिकायत दर्ज कराने के लिए दो अलग कैटेगरी बनाई गई हैं – पहली, शैक्षणिक संस्थान यानी विद्यालय, महाविद्यालय या विश्वविद्यालय से संबंधित विद्यार्थियों के लिए, और दूसरी, छात्रावास यानी हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए। पोर्टल के होमपेज पर ही यह दोनों विकल्प दिए गए हैं, जिससे छात्र सही कैटेगरी चुनकर सीधे संबंधित फॉर्म तक पहुंच जाता है। कैटेगरी चुनने के बाद छात्र के सामने एक सीधा-सादा फॉर्म खुलता है, जिसमें नाम, लिंग, पिता का नाम, जन्म तिथि और मोबाइल नंबर जैसी बुनियादी जानकारी भरनी होती है। ईमेल आईडी को वैकल्पिक रखा गया है, ताकि जिन छात्रों के पास ईमेल नहीं है वे भी शिकायत दर्ज करा सकें, जबकि मोबाइल नंबर को ओटीपी से वेरिफाई किया जाता है ताकि हर शिकायत असली छात्र की ओर से ही दर्ज हो।

पोर्टल पर छात्रों के लिए तीन सुविधाएं दी गई हैं। शिकायत दर्ज कराने का विकल्प हॉस्टल सुविधाओं, भोजन, स्वच्छता, सुरक्षा और बिजली से जुड़ी समस्याओं के लिए है। इसके अलावा छात्र व्यवस्था सुधारने से जुड़े अपने सुझाव भी साझा कर सकते हैं, और सबसे अहम बात यह कि एक बार शिकायत दर्ज करने के बाद छात्र उसकी मौजूदा स्थिति और उस पर हुई कार्रवाई को ट्रैक भी कर सकता है। पोर्टल पर सबसे ज्यादा दर्ज होने वाली शिकायतों को भोजन, पेयजल, बिजली, शौचालय-सफाई, सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और इंटरनेट जैसी कैटेगरी में पहले से बांटा गया है, जिससे शिकायत सीधे संबंधित विभाग तक पहुंचती है और निपटारे में देरी नहीं होती।

पोर्टल पर दर्ज हर शिकायत का 30 दिनों के भीतर निपटारा सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है। समाधान के बाद संबंधित छात्र को लिखित रूप से इसकी सूचना भी दी जाती है, ताकि यह साफ रहे कि उसकी शिकायत पर वाकई कार्रवाई हुई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शिकायतकर्ता छात्र-छात्राओं की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, जिससे छात्र बिना किसी डर के अपनी बात रख सकें। जिन छात्रों के पास ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की सुविधा नहीं है, उनके लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1100 भी उपलब्ध कराया गया है।

पोर्टल का मकसद छात्रों की शैक्षणिक, परीक्षा, छात्रावास, छात्रवृत्ति और अन्य संस्थागत समस्याओं का पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से समाधान करना है।

सरकारी पोर्टल और हेल्पलाइन की घोषणाएं आमतौर पर होती रहती हैं, लेकिन इनमें से ज्यादातर व्यवहार में उतनी असरदार साबित नहीं होतीं। लेकिन बिहार सरकार की अब तक की कोशिशों को देखें तो ऐसा लगता है

कि सरकार गंभीरता से छात्रों की समस्याओं को सुनने की ओर अग्रसर है। इस पोर्टल की खासियत है कि इसमें एक जवाबदेही तंत्र भी जोड़ा गया है – तय समयसीमा में शिकायत का समाधान न होने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई का भी प्रावधान रखा गया है, जिससे यह सिर्फ कागजी व्यवस्था बनकर नहीं रह जाती।

पोर्टल के साथ-साथ सरकार ने हर महीने सहयोग शिविर आयोजित करने की व्यवस्था भी बनाई है, जिनमें मंत्री, विधायक, सांसद और संबंधित अधिकारी सीधे स्कूल-कॉलेजों में जाकर छात्रों से बातचीत करेंगे। इन शिविरों में मिलने वाली शिकायतों और सुझावों को भी उसी पोर्टल पर दर्ज कर ट्रैक किया जाता है, जिससे पूरा सिस्टम एक जगह जुड़ा रहता है। यह व्यवस्था खासकर उन इलाकों में उपयोगी मानी जा रही है, जहां छात्र ऑनलाइन माध्यम के बजाय सीधी बातचीत में ज्यादा सहज महसूस करते हैं।

जिन राज्यों में छात्र आंदोलन और कैंपस में असंतोष की घटनाएं सामने आती रही हैं, उनके लिए बिहार का यह मॉडल कुछ स्पष्ट संकेत देता है। शिकायत निवारण तंत्र तभी प्रभावी होता है जब उसमें तय समयसीमा और जवाबदेही दोनों शामिल हों। शिकायत और छात्रावास की समस्याओं को अलग-अलग कैटेगरी में बांटने और फॉर्म को आसान रखने से समाधान की रफ्तार तेज होती है, जबकि स्टेटस ट्रैक करने की सुविधा से छात्रों को भरोसा रहता है कि उनकी बात पर वाकई काम हो रहा है। साथ ही, सिर्फ डिजिटल पोर्टल पर निर्भर रहने के बजाय हेल्पलाइन और जमीनी शिविर जैसे विकल्प भी जरूरी हैं, ताकि हर वर्ग का छात्र इस व्यवस्था से जुड़ सके।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए बड़ी घोषणाओं के साथ-साथ जमीनी क्रियान्वयन भी उतना ही जरूरी है। बिहार का अनुभव यह दिखाता है कि अगर शिकायत निवारण तंत्र में पारदर्शिता, आसान प्रोसेस और जवाबदेही तय की जाए, तो नतीजे भी सामने आते हैं। अब देखना यह होगा कि अन्य राज्य इस मॉडल से कितना सीखते हैं और अपने यहां इसे किस रूप में लागू करते हैं।

तबाही से 90 दिन पहले चीन-नेपाल के बीच क्या हुआ था? जलप्रलय का मिनट-दर-मिनट का पूरा घटनाक्रम

अभिनय आकाश

इंसान की बनाई कोई चीज नहीं बची। कोई इंसानी बसाहट नहीं बची। सब सपाट हो गया...यह बात कही गई नेपाल में आई तबाही का परिणाम देखकर। पानी, मलबा, चट्टान, गाज सबको लेकर आगे बढ़ता प्रचंड प्रवाह। करीब 40 किलोमीटर लंबे रास्ते में सब तबाह करता हुआ अचानक आई इस भीषण बाढ़ ने जो नुकसान पहुंचाया उसकी ठीक-ठीक था अभी तक पता नहीं चल पाई है। नेपाल तिब्बत सीमा पर जहां यह विपत्ति आई वो मानसरोवर पर्वत यात्रा का सबसे प्रचलित रास्ता है। 26 अगस्त की सुबह नेपाल के रासवा जिले में अचानक ऐसी बाढ़ आई जिसने कुछ ही देर में दर्जनों गांवों को अपनी इज्जत में ले लिया। एक दर्जन से ज्यादा मौतों की अब तक पुष्टि हो चुकी है। लेकिन रॉटर्स के मुताबिक सैकड़ों लापता हैं। बीबीसी ने 400 का आंकड़ा दिया है लापता का। लेकिन नेपाली मीडिया के मुताबिक यह आंकड़ा और ऊपर जाएगा। मारे गए लोगों में बहुत से विदेशी नागरिक भी हैं। ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, मलेशिया समेत कई नागरिकताओं के लोग हैं। कई भारतीय भी गुमशुदा हैं। नेपाल का आपदा प्रबंधन विभाग है एनडीआरआरएमए। पूरा नाम नेपाल्स नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी। उसने यह नोटिस जारी किया है। इसमें चीन के हवाले से आई एक जानकारी का जिक्र करते हुए सावधान किया गया।

इसे भी पढ़ें- सद्गुरु ने आपदाओं से निपटने के लिए भारत और चीन समेत पांच देशों के हिमालय बोर्ड की मांग की

जिस लह नदी में पानी बढ़ने से बाढ़ आई वहां बहाव हो गया है। पानी रुकने से यहां 0.11 वर्ग किलोमीटर की एक झील बन गई है। इसका जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। लहानदे नदी तिब्बत से निकलती है। नेपाल के रसुआ जिले में पहुंचती है जहां उसे नया नाम मिलता है भोटे कोसी। नेपाल में भोटे का मतलब है तिब्बती यानी तिब्बत की कोसी। ऊपर जिस झील के बनने की बात बताई गई वह जगह रसुआ से 18 कि.मी. ऊपर है। गोटे कोसी नोवाकोट नाम की जगह में त्रिशला नदी में मिल जाती है। यही त्रिशला नदी आगे बिहार के पश्चिमी चंपारण पहुंचती है। भैंसा लोटा बैराज से होते हुए और यहां इसे कहा जाता है गंडक या नारायणी। यानी तिब्बत से लेकर नेपाल और आगे भारत तक खतरा हो सकता है। तमाम आशंकाओं के मद्देनजर भोटे कोसी नदी के बहाव में नीचे की ओर रह रहे लोग, पर्यटक और बचाव अभियान में जुटे जो कर्मचारी हैं उन्हें खास सावधानी बरतने की जरूरत बताई गई। 28 अगस्त तक वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के बीच बनी सहमति के अनुसार, नेपाल में आई बाढ़ का मुख्य कारण लांगटांग पर्वतमाला की 7,000 मीटर से ऊंची चोटी लांगटांग लिरुंग के उत्तरी ढलानों पर हुआ एक बड़ा ग्लेशियल डिटैचमेंट (हिमनद का टूटना) था। इस घटना में सिर्फ सतह की बर्फ ही नहीं, बल्कि उसके नीचे मौजूद मजबूत आधारशिला (ड्ढद्गस्त्रह्म्शष्द्म) भी टूटकर अलग हो गई थी। शुरुआती विश्लेषणों से संकेत मिलता है कि मुख्य आपदा से कुछ हफ्तों या महीनों पहले ही इस विशाल हिमनद में धीमी आंतरिक हलचल शुरू हो चुकी थी। जलवायु परिवर्तन और तापमान में बदलाव के कारण कमजोर पड़ रही इस संरचना ने अंततः एक गंभीर %टिपिंग पॉइंट% (चरम सीमा) पार कर लिया, जिसके बाद बर्फ और चट्टानों का यह विशालकाय द्रव्यमान अचानक नीचे ढह गया और विनाशकारी बाढ़ की वजह बना। 27 मई को नेपाल की राजधानी काठमांडू में नेपाल और चीन के अधिकारियों की एक अहम बैठक हुई थी। नेपाल की तरफ से करीब 10 अधिकारी और चीन की तरफ से लगभग एक दर्जन अधिकारी इस बैठक में शामिल हुए। इनमें तिब्बत क्षेत्र से जुड़े अधिकारी भी थे। बैठक का मुद्दा था बाढ़, मौसम, ग्लेशियर और उससे जुड़े खतरों की निगरानी और आपदा के वक्त दोनों देशों के बीच सहयोग। इस बैठक में ग्लेशियर झीलों की सूची तैयार करने, खतरनाक इलाकों की मैपिंग करने और आपदा का जोखिम कम करने के लिए संयुक्त कदम उठाने की बात हुई। यानी दोनों देशों को पता था कि हिमालय इलाकों में ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलें कितनी बड़ी चुनौती बन सकती हैं। लेकिन बैठक के बाद नेपाल के अधिकारियों को लगा कि उन्हें ग्लेशियर के खतरे और पानी के स्तर से जुड़ी उतनी जानकारी नहीं मिल रही जितनी वे चाहते थे। इस बैठक में मौजूद शख्स ने राउटर्स को बताया कि नेपाल चाहता था कि अगर उस इलाके में ग्लेशियर की हलचल या उसके आसपास कोई असामान्य गतिविधि दिखाई दे तो उसकी जानकारी थोड़ी पहले मिल जाए क्योंकि पहाड़ों में कुछ मिनट और कुछ घंटे का समय भी जिंदगी और मौत के बीच का अंतर बन सकता है। नेपाल की भौगोलिक स्थिति और ग्लेशियर नेपाल के उत्तर में चीन और दक्षिण में भारत है। यह दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत श्रृंखला, हिमालय का घर है, जहां विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट स्थित है। नेपाल में 3,000 से अधिक ग्लेशियर हैं, जो तेजी से पिघलने के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। क दशक के अध्ययन से पता चलता है कि जिस याला ग्लेशियर (ङ्घड्डद्यड्ड त्नद्यड्डष्द्बद्गह्) में यह हादसा हुआ, उसने उस दशक में लगभग 33 फीट जल-समतुल्य (2ड्डह्लद्गह्- द्गह्नह्वद्ब1ड्डद्यद्गठ्ठह्ल) बर्फ खो दी–यानी करीब तीन मंजिला इमारत के बराबर पानी। इसके साथ ही, नेपाल इस समय अपने इतिहास की सबसे भीषण गर्मियों में से एक का सामना कर रहा है।

ग्लेशियर के ढहने वाला क्षेत्र लगभग 1 मील (1.6 किमी) चौड़ा था। यह स्थान समुद्र तल से लगभग 16,700 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। रिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (स्व्रस्) ने ग्लेशियर ढहने का सटीक समय 10÷52÷10 दर्ज किया। सर्दियों (जनवरी) में ताजा बर्फ की वजह से सतह का एल्बिडो अधिक रहता है, जिससे सूरज की किरणें अंतरिक्ष में वापस लौट जाती हैं और बर्फ कम पिघलती है। त्यधिक तापमान के कारण ऊपरी सफेद बर्फ पिघल गई और नीचे मौजूद मटमैला, भूरा और पत्थरों से भरा ग्लेशियर बाहर आ गया। इस गहरे रंग की सतह ने अधिक गर्मी सोखी, जिससे बर्फ पिघलने की प्रक्रिया अत्यंत तेज हो गई। ढलान, छोटे झटके (ह्लद्गद्वश्चह्य), और जमने-पिघलने (ह्द्धड्ड2-द्धह्द्गद्ग5द्ग) के चक्र ने ग्लेशियर को संरचनात्मक रूप से कमजोर कर दिया। हादसे का प्रवाह और गति ग्लेशियर के शीर्ष से नीचे नदी तक लगभग 3.4 मील की दूरी में 7,000 फीट की सीधी गिरावट है। यह रास्ता एक प्राकृतिक संकरे चैनल जैसा बना हुआ था। ब भारी मात्रा में बर्फ और चट्टानें नीचे गिरीं, तो घर्षण और अत्यधिक दबाव के कारण बर्फ तुरंत चूर्ण होकर पानी और मलबे में बदल गई।

300 फीट ऊंची मलबे की दीवार÷ संकरी घाटी में पानी और मलबे का स्तर तेजी से बढ़ा। हेलिकॉप्टर सर्वेक्षण के अनुसार, मलबे की रेखा की ऊंचाई लगभग 300 फीट तक पहुंच गई थी। चीन-नेपाल सीमा चौकी पर प्रभाव

मखाना : भारत के पारंपरिक उत्पाद से वैश्विक सुपरफूड बनने का स्वर्णिम सफर

आधुनिक दुनिया में जब स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता चरम पर है और लोग प्रसंस्कृत अथवा जंक फूड के विकल्पों की तलाश कर रहे हैं, तब मखाना एक बेहतरीन प्राकृतिक और पौष्टिक विकल्प बनकर उभरा है। मखाने में प्रचुर मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन, घुलनशील और अघुलनशील फाइबर तथा जटिल कार्बोहाइड्रेट्स पाए जाते हैं।

डॉ. दीपक कोहली

भारत में सदियों से व्रत-त्योहारों और पारंपरिक खान-पान का हिस्सा रहा मखाना अब महज एक साधारण खाद्य पदार्थ नहीं रह गया है, बल्कि यह दुनिया भर में स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूक लोगों की पहली पसंद बनकर एक वैश्विक सुपरफूड के रूप में उभर रहा है। फॉक्स नट्स, कमल गट्टा या वैज्ञानिक नाम युरीअल फेरोक्स (श्वह्वह्म्4ड्डद्यद्ग द्धद्गह्म्श्र×) के नाम से जाना जाने वाला यह प्राकृतिक उपहार अपनी अद्वितीय न्यूट्रिशनल प्रोफाइल, कम कैलोरी और समृद्ध स्वास्थ्य लाभों के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों में धूम मचा रहा है। भारतीय कृषि एवं बागवानी क्षेत्र में मखाने ने हाल के वर्षों में जो छलांग लगाई है, वह न केवल भारत की पारंपरिक कृषि शक्ति को दर्शाती है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसान कल्याण और निर्यात संवर्धन के क्षेत्र में भी एक नए स्वर्णिम युग का सूत्रपात कर रही है। भारत दुनिया भर में मखाना उत्पादन में एकछत्र वर्चस्व रखता है और वैश्विक आपूर्ति का अधिकांश हिस्सा अकेले भारत से आता है। देश में मखाने के उत्पादन में लगातार ऐतिहासिक वृद्धि देखने को मिल रही है। उत्पादन में इस उल्लेखनीय उछाल के साथ-साथ उत्पादकता के मोर्चे पर भी देश ने अभूतपूर्व प्रगति की है। प्रति हेक्टेयर उपज में हुई यह वृद्धि वैज्ञानिक खेती, उन्नत किस्म के बीजों और किसानों की कड़ी मेहनत का प्रत्यक्ष परिणाम है। भारत में मखाने के इस विशाल साम्राज्य का मुख्य केंद्र बिहार राज्य है, जो देश के कुल मखाना उत्पादन में सबसे बड़ा योगदान देता है। उत्तर बिहार के दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, कटिहार, पूर्णिया और सहरसा जैसे मिथिलांचल के जिले मखाना खेती के गढ़ माने जाते हैं। यहाँ की भौगोलिक परिस्थितियाँ, उथले पानी के तालाब, दलदली भूमि और अनुकूल आर्द्र जलवायु मखाने के पौधे के विकास के लिए अत्यंत आदर्श वातावरण प्रदान करती हैं। बिहार के अलावा पश्चिम बंगाल, असम और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी मखाने की खेती का दायरा तेजी से फैल रहा है। मखाने का भौगोलिक महत्व इस बात से भी सिद्ध होता है कि बिहार के मखाने को भौगोलिक संकेत यानी जीआई टैग प्राप्त हो चुका है, जिसने इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रामाणिकता और पहचान को एक नया आयाम दिया है। आधुनिक दुनिया में जब स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता चरम पर है और लोग प्रसंस्कृत अथवा जंक फूड के विकल्पों की तलाश कर रहे हैं, तब मखाना एक बेहतरीन प्राकृतिक और पौष्टिक विकल्प बनकर उभरा है। मखाने में प्रचुर मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन, घुलनशील और अघुलनशील फाइबर तथा जटिल कार्बोहाइड्रेट्स पाए जाते हैं। इसके साथ ही यह मैग्नीशियम, पोटैशियम, फास्फोरस, कैल्शियम और आयरन जैसे आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें सोडियम की मात्रा बेहद कम होती है, यह पूरी तरह से वसा-मुक्त और कोलेस्ट्रॉल-मुक्त होता है, तथा इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी काफी कम होता है। इन विशेषताओं के कारण यह मधुमेह रोगियों, हृदय रोगियों, उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्तियों और वजन कम करने की इच्छा रखने वालों के लिए एक आदर्श आहार माना जाता है। इसमें मौजूद शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट्स असमय बुढ़ापे को रोकने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सहायक होते हैं। शाकाहारी और वीगन जीवनशैली अपनाने वाले लोगों के लिए मखाना प्रोटीन का एक अत्यंत सुलभ और स्वस्थ स्रोत बनकर उभरा है। मखाने की यात्रा खेत के दलदल से निकलकर डाइनिंग टेबल तक पहुँचने में कई जटिल और श्रमसाध्य चरणों से होकर गुजरती है, जो इसकी संपूर्ण मूल्य श्रृंखला का निर्माण करती है। इसकी प्रक्रिया प्राथमिक और द्वितीयक दो स्तरों पर होती है। प्राथमिक स्तर पर किसान और मजदूर बेहद विषम परिस्थितियों में पानी के भीतर उतरकर तालाब की तलहटी से मखाने के कटीले बीजों की कटाई और संग्रहण करते हैं। इसके बाद इन बीजों को साफ किया जाता है और धूप में सुखाया जाता है। इसके पश्चात द्वितीयक प्रसंस्करण शुरू होता है, जिसमें सूखे बीजों को मिट्टी या लोहे की कड़ाही में उच्च तापमान पर भुना जाता है। भुनाई के तुरंत बाद लकड़ी के हथौड़ों से मारकर बीजों को फोड़ा जाता है, जिससे उनके भीतर का सफेद और हल्का गुदा बाहर आ जाता है और हमें हमारा परिचित पॉप्ड मखाना प्राप्त होता है। इसके बाद मखाने की ग्रेडिंग, साइजिंग, पॉलिशिंग और पैकेजिंग की जाती है। मखाने के आकार और सफेदी के आधार पर उसकी बाजार कीमत तय होती है, जहाँ बड़े आकार के मखाने को प्रीमियम श्रेणी में रखा जाता है। वैश्विक बाजार में भारत का मखाना अपनी गुणवत्ता और विशिष्टता के बल पर तेजी से अपनी पैठ बना रहा है। भारत हर वर्ष अपने कुल मखाना उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा दुनिया के विभिन्न देशों में निर्यात करता है। भारत के मखाना निर्यात का एक बड़ा हिस्सा विकसित देशों में जाता है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश प्रमुख हैं। ये देश भारत से बड़े पैमाने पर मखाना आयात करते हैं। इसके अतिरिक्त यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और मध्य पूर्व के देशों में भी %क्लीन-लेबल% और %प्लांट-बेस्ड सुपरफूड% के रूप में भारतीय मखाने की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। फ्लेवर्ड मखाना, जैसे चीज़ी, रोस्टेड, पेरी-पेरी और मखाना पाउडर के रूप में मूल्य संवर्धित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ताओं को अत्यधिक आकर्षित कर रहे हैं। मखाना क्षेत्र के इस विशाल सामर्थ्य और रणनीतिक महत्व को पहचानते हुए भारत सरकार ने इसके सर्वांगीण विकास के लिए कई दूरगामी और संरचनात्मक पहल की हैं। मखाने के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, आधुनिक प्रसंस्करण तकनीक लाने और किसानों की आय में बढ़ोतरी करने के उद्देश्य से सरकार ने विशेष योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। यह महत्वाकांक्षी प्रयास वैज्ञानिक अनुसंधान, उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की सुलभता, किसानों के कौशल विकास, कटाई के बाद के नुकसान को रोकने, स्वचालित पॉपिंग और ग्रेडिंग मशीनों की स्थापना, ब्रांडिंग, विपणन और निर्यात संवर्धन पर विशेष रूप से केंद्रित हैं। इन योजनाओं के माध्यम से देश भर के हजारों किसान सीधे तौर पर लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर मखाना बोर्ड के गठन की घोषणा ने इस क्षेत्र को संस्थागत मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। जैसे-जैसे वैश्विक स्तर पर मखाने की मांग बढ़ रही है, घरेलू बाजार में भी इसके मूल्य और व्यावसायिक परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव देखे जा रहे हैं। घरेलू स्तर पर मखाना बाजार अत्यंत तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में भारत का मखाना उद्योग एक विशाल वित्तीय आकार ले लेगा। इस बढ़ती मांग के चलते मखाने की कीमतों में भी भारी उछाल आया है, जिससे किसानों और व्यापारियों के लिए यह फसल अत्यधिक लाभदायक सिद्ध हो रही है। पारंपरिक रूप से उपेक्षित रहने वाला यह क्षेत्र अब एफएमसीजी कंपनियों, स्टार्टअप्स और कृषि-उद्यमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है।

कर-करेतर एवं प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा में जिलाधिकारी के कड़े निर्देश

संवाददाता हमीरपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक गोयल की अध्यक्षता में कर-करेतर एवं प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में आबकारी, राज्य कर, खनन, स्टाम्प एवं निबंधन, श्रम, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, अग्निशमन, परिवहन तथा स्थानीय निकायों के कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने प्रवर्तन कार्यों में अपेक्षित सक्रियता न पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को राजस्व वसूली के साथ-साथ प्रभावी फील्ड प्रवर्तन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आबकारी विभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने लाइसेंसी दुकानों की नियमित भौतिक जांच करने तथा दुकानों की निर्धारित सीमा के बाहर अवैध रूप से शराब के भंडारण एवं बिक्री पर प्रभावी छापेमारी के निर्देश दिए। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई करने को कहा।

राज्य कर एवं खनन विभाग की समीक्षा में जिलाधिकारी ने ओवरलोडिंग के मामलों में प्रभावी कार्रवाई न होने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल ई-वे बिल की जांच पर्याप्त नहीं है, वाहनों का वास्तविक भौतिक सत्यापन भी किया जाए। प्रवर्तन टीम को फील्ड में ले जाकर व्यावहारिक प्रशिक्षण देने तथा सितंबर माह में ओवरलोडिंग के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्टाम्प एवं निबंधन विभाग को उप-निबंधक कार्यालयों में लगे सीसीटीवी कैमरों की नियमित जांच सुनिश्चित करने तथा भूमि के संयुक्त निरीक्षण में संबंधित पक्षों एवं गवाहों की उपस्थिति, फोटोग्राफी एवं स्पष्ट चौहद्दी दर्ज करने के निर्देश दिए गए। लंबित पत्राचार का डिजिटल माध्यम से त्वरित निस्तारण करने को कहा गया।

श्रम विभाग की समीक्षा में बाल श्रम से मुक्त कराए गए 65 बच्चों से संबंधित प्रकरणों की प्रगति की जानकारी ली गई। जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ समन्वय कर कचहरी, ढाबों एवं दुकानों में नियमित जांच करने तथा जिले के सभी 11 ईंट-भट्ठों पर श्रमिकों से स्वतंत्र रूप से पूछताछ कर बंधुआ मजदूरी की स्थिति की जांच करने के निर्देश दिए। पंजीकृत श्रमिकों के पुनर्सत्यापन का कार्य भी प्राथमिकता से पूरा करने को कहा। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जुलाई-अगस्त में किए गए निरीक्षण एवं खाद्य पदार्थों के नमूने लिए जाने की कार्रवाई की समीक्षा करते हुए बरसात के मौसम में कचहरी, तहसील एवं बस स्टैंड के आसपास खाद्य प्रतिष्ठानों तथा स्ट्रीट वेंडर्स की स्वच्छता जांच बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

अग्निशमन विभाग को निर्देशित किया गया कि पर्याप्त समय दिए जाने के बावजूद फायर एनओसी एवं अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन न करने वाले कोचिंग सेंटरों, अस्पतालों, होटलों एवं अन्य व्यावसायिक भवनों के विरुद्ध नोटिस जारी कर नियमानुसार बंद/सील करने की कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने एसडीएम एवं अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया

जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही - जिलाधिकारी

संवाददाता

उन्नाव। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दर्शन में जनपद के दूर दराज से आए हुए फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबधित अधिकारी को मौके पर ही फोन कर त्वरित व गंभीरता के साथ गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर संज्ञान लेते हुए नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। फरियादियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। कहा जो पैमाइश व भूमि विवाद संबंधित शिकायतें हैं उप जिलाधिकारी उनको कमेटी गठित कर जांच कराएं। पुलिस और राजस्व की टीम मिलकर उन शिकायतों का प्राथमिकता से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराएं।

जनता दर्शन में जिलाधिकारी ने धर्मपाल पुत्र सिद्धनाथ निवासी ग्राम भजन खेड़ा तहसील हसनगंज की असंक्रमनीय भूमि से संक्रमणीय कराए जाने के संबंध में धनंजय पुत्र गिरिराज सिंह निवासी कायमपुर निबखारा थाना आसीवन तहसील हसनगंज के जमीन पर अवैध कब्जा /पैमाइश कराई जाने के संबंध में,चंद्रजीत निवासी पहाड़पुर खुर्द मवई तहसील पुरवा के खड़ंजा के मार्ग को अवरुद्ध किए जाने के संबंध में, रीता पत्नी कृष्ण कुमार निवासी हरईपुर तहसील बांगरमऊ के दबंगों द्वारा घर की भूमि पर निर्माण कार्य न कराए देने के संबंध में, जमुना देवी पत्नी राम आसरे निवासी धानी खेड़ा मजरा कैथाली तहसील बांगरमऊ के भूमि की पैमाइश करा कर कब्जा दिलाए जाने के संबंधी

कचहरी परिसर में अधिवक्ता परिषद अवध इकाई द्वारा स्वाध्याय मंडल का किया गया आयोजन

संवाददाता

उन्नाव। अधिवक्ता परिषद अवध उन्नाव इकाई द्वारा आज कचहरी परिसर में स्वाध्याय मंडल का आयोजन किया गया । विषय सीपीसी की धारा 89 और आर्बिट्रेशन एक्ट रहा । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री महेंद्र शंकर त्रिपाठी जी रहे । श्री त्रिपाठी जी ने धारा 89 के विषय में विस्तृत जानकारी दी और बताया कि न्यायालय के बाहर भी विवादों का निस्तारण किया जा सकता है । त्रिपाठी जी ने अपने आर्बिटेशन से जुड़े अनुभवों को भी युवा अधिवक्ताओं के साथ साझा किया । कार्यक्रम में युवा अधिवक्ताओं के साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता भी उपस्थित रहे । कार्यक्रम के अंत में त्रिपाठी जी ने युवा अधिवक्ताओं को अपने शिष्य रहे जस्टिस सुभाष शर्मा से जुड़े प्रेरणा दायक संस्मरण भी सुनाये । कार्यक्रम की अध्यक्षता मनीष जी ने की और संचालन महामंत्री अनिरुद्ध जी ने किया । इस अवसर पर अधिवक्ता परिषद की कार्यकारिणी के साथ ही युवा और वरिष्ठ अधिवक्ता गण मौजूद रहे।

मुक्ति दिवस समारोह में उमड़ा बंजारा समाज का जनसैलाब

संवाददाता

लखनऊ। लक्कीशाह क्रांतिकारी समाज पार्टी के तत्वावधान में बारा समाज कल्याण समिति द्वारा सोमवार को गांधी भवन प्रेक्षागृह, कैसरबाग में मुक्ति दिवस स्वाभिमान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से डीएनटी बारा घुमंतू समाज के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लक्कीशाह क्रांतिकारी समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश नायक बंजारा रहे। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव गिरीश नायक बंजारा, अध्यक्षता श्रीमती गीता राना तथा संचालन सुनील कुमार आर्य ने किया। इस दौरान बारा घुमंतू समाज की कला, संस्कृति और प्रतिभाओं का प्रदर्शन भी किया गया।

हरिश नायक ने कहा कि 31 अगस्त विमुक्त एवं घुमंतू समाज के लिए ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी शासन में वर्ष 1871 में लागू कानून के कारण इन समुदायों को गंभीर यातनाएं झेलनी पड़ीं और उन्हें जन्मजात अपराधी घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी इन समुदायों को लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा। गिरीश नायक ने कहा कि विमुक्त और घुमंतू समाज आज भी शिक्षा, रोजगार और मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। कई परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड और जाति प्रमाण पत्र जैसी सुविधाओं के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज के अधिकार और राजनीतिक हिस्सेदारी के लिए लक्की शाह क्रांतिकारी समाज पार्टी संघर्ष करेगी।

उन्होंने कहा कि लखनऊ से वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक अभियान का आगाज किया जा रहा है और समाज के लोगों को विधानसभा तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। समारोह में डॉ. राजेंद्र प्रताप सिंह राना, राकेश राठौर, अधिवक्ता राजेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार राना, अखिलेश थारू, मनजीत राना, दानिश अखबी , टी.एम. सिंह नायक, जीतपाल सिंह नायक सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और समाज के लोग मौजूद रहे।

दही थाने में तैनात पुलिस कर्मियों की अवैध वसूली खेल से क्षेत्रीय जनता है परेशान ?

संवाददाता

उन्नाव। उन्नाव के दही थाना में तैनात हेड कांस्टेबल नरेंद्र यादव, सुनील यादव और आशीष शुक्ला को लेकर गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं।

आरोप है कि ये तीनों कथित तौर पर इंस्पेक्टर के नाम पर फैक्ट्रियों से वसूली करते हैं। साथ ही आम जनमानस से भी वसूली किए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि क्षेत्र के लोग कथित वसूली से परेशान हैं। अब सवाल है कि क्या उच्च अधिकारी इन आरोपों का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच कराएंगे? क्षेत्रीय लोगों की मांग है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और आरोप सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

छानी, विवांर एवं मुस्करा में अभियान चलाकर 04 बाल एवं किशोर श्रमिक कराए गए मुक्त

संवाददाता

हमीरपुर। जिलाधिकारी अभिषेक गोयल के निर्देशन में बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन के लिए जनपद में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में श्रम विभाग, चाइल्ड लाइन एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) की संयुक्त टीम द्वारा छानी, विवांर एवं मुस्करा क्षेत्र में सघन बाल श्रम चिन्हांकन अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों में निरीक्षण कर 04 सेवायोजकों के यहां नियोजित 04 बाल एवं किशोर श्रमिकों को मुक्त कराया गया तथा संबंधित सेवायोजकों के विरुद्ध निरीक्षण टिप्पणी जारी की गई। साथ ही ढाबों, रेस्टोरेंट, हलवाई की दुकानों, कैटरर्स, शादी घरों एवं अन्य प्रतिष्ठानों में बाल श्रम न कराने के संबंध में संचालकों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया।

श्रम विभाग द्वारा प्रतिष्ठान संचालकों को स्पष्ट हिदायत दी गई कि किसी भी बाल एवं किशोर श्रमिक से नियमानुसार प्रतिबंधित कार्य न कराया जाए। बाल श्रम कराने वाले सेवायोजकों के विरुद्ध बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 यथा संशोधित 2016 के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अधिनियम के तहत 20,000 से 70,000 रुपये तक जुर्माना तथा 06 माह से 02 वर्ष तक की सजा का प्रावधान है।

अभियान के दौरान प्रतिष्ठानों में कार्यरत श्रमिकों को शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन के संबंध में भी जानकारी दी गई। अकुशल श्रमिक को ?12,356, अर्धकुशल को ?13,590 तथा कुशल श्रमिक को ?15,224 प्रतिमाह वेतन दिए जाने के संबंध में जागरूक किया गया। न्यूनतम वेतन का भुगतान न करने पर संबंधित सेवायोजक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

श्रम विभाग द्वारा बताया गया कि बाल श्रम उन्मूलन एवं बाल श्रमिकों के पुनर्वासन के लिए जनपद में ऐसे अभियान आगे भी निरंतर संचालित किए जाएंगे तथा बाल श्रम कराने वाले सेवायोजकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अभियान में श्रम प्रवर्तन अधिकारी विजयपाल सोनकर, चाइल्ड लाइन, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट तथा श्रम विभाग से सै. मोहम्मद उबैद उल्लाह एवं सूरजभान सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उन्नाव के प्रॉपर्टी डीलर की हत्या का खुलासा! ड्राइवर ही निकला अपहरण का मास्टरमाइंड, करोड़ों के लेनदेन में सुपारी देकर कत्ल का आरोप

संवाददाता

उन्नाव/लखनऊ। उन्नाव जिले के फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के राजेपुर गांव निवासी और महाराणा प्रताप चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष व प्रॉपर्टी डीलर धीरेंद्र प्रताप सिंह (45) की लखनऊ में हुई हत्या के मामले में पुलिस जांच में सनसनीखेज खुलासा सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, शनिवार शाम सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र से धीरेंद्र का उनके ही ड्राइवर रवि तिवारी ने साथियों के साथ अपहरण कराया। इसके बाद शूटरों ने फॉर्च्यूनर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी और शव दुबग्गा क्षेत्र के अमेठिया सलेमपुर गांव के पास नहर में फेंक दिया। पुलिस के अनुसार हत्या के पीछे करोड़ों रुपये के लेनदेन और जमीन से जुड़े विवाद की बात सामने आई है। मामले में ड्राइवर समेत छह लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि वारदात में कुछ अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आ सकती है।

हत्या के बाद खुद थाने पहुंचा ड्राइवर, यहीं खुल गया राज

पुलिस के मुताबिक शनिवार देर रात तक धीरेंद्र घर नहीं लौटे तो उनकी पत्नी ममता ने ड्राइवर रवि के मोबाइल पर फोन किया। रवि ने बताया कि धीरेंद्र फीनिक्स पलासियो मॉल में हैं। रात करीब एक बजे तक धीरेंद्र घर नहीं पहुंचे और दोनों मोबाइल फोन बंद हो गए। इसके बाद करीब तीन बजे रवि खुद गुमशुदगी दर्ज कराने थाने पहुंच गया। यहीं से पुलिस को शक हुआ। पूछताछ के दौरान उसके बयानों में कथित तौर पर विरोधाभास सामने आए। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो हत्या की पूरी कहानी सामने आने का दावा किया गया। पुलिस के अनुसार रवि ने अपने साथी दिलीप समेत अन्य लोगों के साथ मिलकर धीरेंद्र का अपहरण किया। इसके बाद फॉर्च्यूनर में ही उन्हें गोली मार दी गई। प्रारंभिक फोरेंसिक जांच में माथे और सीने पर गोली लगने की बात सामने आई है। हालांकि मौत की वास्तविक वजह और गोली लगने की स्थिति की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगी। हत्या के बाद शव को दुबग्गा इलाके में किसानपथ के पास अमेठिया सलेमपुर की नहर में फेंक दिया गया। रवि और दिलीप को लेकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और उनकी निशानदेही पर शव बरामद किया गया। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के मुताबिक, उन्नाव में धीरेंद्र का जमीन और रुपयों को लेकर कुछ लोगों से विवाद था। प्रारंभिक जांच में इसी विवाद को हत्या की वजह माना जा रहा है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि कथित करोड़ों रुपये के लेनदेन में कौन-कौन लोग शामिल थे और हत्या की साजिश किस स्तर पर तैयार हुई।

क्या सुपारी देकर हत्या कराई गई? किसने सुपारी दी और शूटरों तक पैसा किसके जरिए पहुंचा? इन सवालों के जवाब पुलिस की आगे की जांच में तलाशे जा रहे हैं। धीरेंद्र की हत्या में सबसे चौंकाने वाला पहलू उनका अपना ड्राइवर बताया जा रहा है। जिस व्यक्ति पर वह रोजमर्रा की आवाजाही के दौरान भरोसा करते थे, वही कथित तौर पर हत्या की साजिश में शामिल निकला।

हत्या के बाद उसी ड्राइवर का गुमशुदगी दर्ज कराने थाने पहुंचना भी पुलिस की जांच में अहम कड़ी बना। सुरक्षा में दो पुलिसकर्मी थे, वारदात के दिन दोनों नहीं थे। धीरेंद्र प्रताप को वर्ष 2021 में शासन के निर्देश पर दो पुलिसकर्मियों की सुरक्षा मिली थी। दोनों उनके साथ रहते थे।

पुलिस के अनुसार वारदात वाले दिन एक सुरक्षाकर्मी छुट्टी पर था, जबकि दूसरा बीमारी के कारण उनके साथ नहीं था। ऐसे में धीरेंद्र शनिवार को बिना सुरक्षा के ड्राइवर रवि के साथ घर से निकले थे। अब पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद दोनों सुरक्षाकर्मी उस दिन उनके साथ क्यों नहीं थे। ने मामले में ड्राइवर रवि तिवारी, उसके साथी दिलीप समेत छह लोगों को हिरासत में लिया है। इनके अलावा हत्या की साजिश से जुड़े अन्य संदिग्धों की तलाश में पुलिस की चार टीमें दबिश दे रही हैं। सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल कॉल डिटेल, लोकेशन और फोरेंसिक साक्ष्यों के जरिए पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अपहरण से लेकर हत्या और शव ठिकाने लगाने तक कौन-कौन लोग शामिल थे।

धीरेंद्र प्रताप सिंह मूल रूप से उन्नाव के फतेहपुर चौरासी क्षेत्र के राजेपुर गांव के रहने वाले थे। प्रॉपर्टी कारोबार और सामाजिक गतिविधियों के साथ उनका उन्नाव से लगातार जुड़ाव बताया जाता है। ऐसे में पुलिस के सामने अब सिर्फ हत्या का खुलासा करना चुनौती नहीं है, बल्कि उन्नाव में जमीन और करोड़ों के कथित लेनदेन से जुड़े विवाद की पूरी कड़ी जोड़ना भी अहम होगा।

एक प्रॉपर्टी डीलर की हत्या, अपना ही ड्राइवर संदिग्ध साजिशकर्ता, सुपारी का आरोप और करोड़ों के लेनदेन का विवाद–धीरेंद्र हत्याकांड की कहानी जैसे-जैसे खुल रही है, मामले की परतें उतनी ही गहरी होती जा रही हैं। अब निगाह पुलिस की उस जांच पर है जो यह बताएगी कि इस कथित साजिश का असली सूत्रधार कौन था।

तेजभव के बीच रोजाना आवागमन के लिए मजबूर ग्रामीण कुंजान घाट के रिपटा पर उफनती जामनी नदी, जान जोखिम में डालकर गुजर रहे राहगीर

महरौनी ललितपुर महरौनी तहसील क्षेत्र में करीब एक सप्ताह से हो रही लगातार बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं वहीं महरौनी-नाराहट मुख्य मार्ग स्थित कुंजान घाट पर जामनी नदी के रिपटा के ऊपर तेज वेग से पानी बहने के कारण राहगीरों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इसके बावजूद प्रतिदिन हजारों ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर इस मार्ग से आवागमन करने को मजबूर हैं।

बारिश के कारण जमनी नदी का जलस्तर बढ़ने से कुंजान घाट के रिपटा पर तेज धार बह रही है। ऐसे में राहगीरों के लिए रिपटा पार करना किसी खतरे से कम नहीं है। तेज बहाव के बीच ग्रामीणों के गुजरने के दृश्य कभी भी गंभीर हादसे की आशंका को जन्म दे रहे हैं। विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को काफी जोखिम उठाना पड़ रहा है ग्रामीणों का कहना है कि कुंजान घाट पर पुल न होने के कारण बारिश के मौसम में आवागमन की समस्या हर वर्ष गंभीर हो जाती है। नदी में पानी बढ़ने पर रिपटा जलमग्न हो जाता है और कई बार आवागमन बाधित होने की स्थिति बन जाती है। इसके बावजूद स्थायी समाधान नहीं हो सका है क्षेत्रीय ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से कुंजान घाट पर जमनी नदी के ऊपर शीघ्र ही मजबूत एवं स्थायी पुल का निर्माण कराए जाने की मांग की है, ताकि बरसात के दिनों में ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर नदी पार न करनी पड़े और महरौनी-नाराहट मार्ग पर आवागमन सुरक्षित एवं सुगम हो सके।

सक्षिप्त खबरें...

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का किया गया शुभारंभ

संवाददाता

उन्नाव। जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय ने बताया हैं कि

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अन्तर्गत बालिकाओं के गिरते लिंगानुपात में सुधार लाने, कन्या भ्रूण हत्या रोकने, बालिकाओं को शिक्षित करने एवं शारीरिक रूप से सशक्त करने हेतु नवाचार के अन्तर्गत जनपद में आज जिलाधिकारी घनश्याम मीना के निर्देशन में विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। इस कार्यक्रम में छात्राओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रोत्साहित करने हेतु खेल-कूद सामग्री यथा- बैडमिंटन, लूडो, चेस, फुटबाल, वॉलीबॉल, बैट बॉल, कैरमबोर्ड, जम्पिंग रोप, कैप, टी-शर्ट आदि का वितरण जनपद के समस्त 13 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय एवं 19 नगरीय क्षेत्र के प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों को किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी महोदया द्वारा कार्यक्रम में शामिल बच्चियों से उनकी शिक्षा एवं अन्य किया कलापों के साथ-साथ भविष्य में वे क्या बनना चाहती हैं, इसके बारे में पूछा साथ ही विद्यालय से आयी शिक्षिकाओं/वार्डन/प्रधानाचार्या आदि को बच्चों को शिक्षण एवं शारीरिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान देने हेतु प्रेरित किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजना के अन्तर्गत जनपद उन्नाव में बहुत सारी गतिविधियों का आयोजन कराते हुए विभिन्न क्षेत्रों की बालिकाओं को सम्मानित करने का कार्य किया जायेगा ताकि बेटियां जनपद, प्रदेश एवं देश का नाम रोशन कर सकें। उक्त कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी , जिला प्रोबेशन अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, समस्त कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय एवं 19 नगरीय क्षेत्र के प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालय की वार्डन/शिक्षिका व छात्राएं, जिला मिशन समन्वयक एवं डीएचईडब्ल्यू उन्नाव की टीम द्वारा प्रतिभाग किया गया।

मिशन शक्ति केंद्र माखी का एएसपी/सीओ सफीपुर ने किया औचक निरीक्षण

संवाददाता

उन्नाव। उन्नाव जिले में मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सफीपुर दीपक यादव ने मिशन शक्ति केंद्र माखी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध संसाधनों एवं अभिलेखों का अवलोकन कर उनकी स्थिति की जांच की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पत्नी के मायके से न आने पर पति ने लगाई फांसी

हमीरपुर राठ। कस्बे के दीवानपुरा मोहल्ले में रविवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने अपने मकान के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली सोमवार सुबह घटना की जानकारी होने पर स्वजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया दीवानपुरा निवासी 38 वर्षीय हीरालाल पुत्र हरचरण रविवार रात अपने मकान के कमरे में था। देर रात उसने तौलिया का फंदा बनाकर पंखे से लटककर जान दे दी। स्वजनों ने कमरे में उसका शव फंदे पर लटकता देखा तो उनके होश उड़ गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए बड़े भाई लल्लू राम ने बताया कि उसके भाई की पत्नी करीब आठ वर्ष पहले उसे छोड़कर चली गई थी। इसके बाद से वह अकेले ही रह रहा था और मजदूरी कर अपना भरण-पोषण करता था।कोतवाली प्रभारी अनूप सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बिजली की बदहाल व्यवस्था के खिलाफ नागरिकों का अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू

संवाददाता

मिहींपुरवा, बहराइच। बलहा विधानसभा क्षेत्र में चरमराई विद्युत व्यवस्था को लेकर क्षेत्रीय नागरिकों का आक्रोश अब आंदोलन में बदल गया है। बिजली की समस्याओं के स्थायी निराकरण की मांग को लेकर नागरिकों ने 30 अगस्त को दोपहर दो बजे से मिहींपुरवा में शहीद स्मारक स्थल पर अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू कर दिया। अनशन में बड़ी संख्या में स्थानीय उपभोक्ता और ग्रामीण शामिल हुए।

आंदोलनकारियों ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को मांगपत्र भेजकर विद्युत व्यवस्था सुधारने के लिए समयबद्ध कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से लो-वोल्टेज, अघोषित बिजली कटौती और अनियमित आपूर्ति की समस्या बनी हुई है। बिजली की स्थिति खराब होने से घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही किसान और व्यापारी भी प्रभावित हो रहे हैं। कई बार शिकायत और ज्ञापन देने के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने पर आंदोलन का निर्णय लिया गया।

आंदोलनकारियों ने उर्रा ग्राम पंचायत में प्रस्तावित नए विद्युत उपकेंद्र का निर्माण तीन माह के भीतर पूरा कराने की मांग की है। साथ ही पिछले छह माह के बिजली बिल माफ करने और बिजली व्यवस्था सामान्य होने तक कम क्षमता वाले ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने की मांग उठाई गई है।

मिहींपुरवा नगर पंचायत क्षेत्र में रोस्टर के मुताबिक निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति, नगर पंचायत के लिए अलग विद्युत आपूर्ति व्यवस्था तथा मुख्य बाजार चौराहे पर स्थापित दो ट्रांसफार्मरों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग भी की गई है। इसके अलावा नानपारा-मिहींपुरवा 33 केवी लाइन के पुराने तार, जर्जर पोल, पिन और अन्य उपकरणों को बदलने की मांग रखी गई है।

मांगपत्र में श्रेयांश यशस्वी, राहुल मदेशिया, ऋतिक सिंह, अभय यादव और उत्कर्ष सिंह के हस्ताक्षर हैं। आंदोलनकारियों ने प्रशासन से विद्युत विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने की मांग की है।

विभाग बोला- सुधार कार्य चल रहा, कुछ समय और जरूरी

विद्युत विभाग के नव नियुक्त एसडीओ ने बताया कि मिहींपुरवा में उनकी तैनाती करीब एक माह पहले हुई है। उन्होंने बताया कि 24 अगस्त को उप जिलाधिकारी के माध्यम से प्रदर्शनकारियों से वार्ता हुई थी और समस्याओं के समाधान के लिए समय मांगा गया था।

एसडीओ ने कहा कि नानपारा से मिहींपुरवा आने वाली 33 केवी लाइन को दुरुस्त कराने का काम कराया गया है। विभाग की प्राथमिकता पहले विद्युत आपूर्ति को मिहींपुरवा फीडर तक सुचारु रूप से पहुंचाना है। इसके बाद फीडर से संबंधित अन्य कमियों को दूर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आवश्यक विद्युत सामग्री के लिए विभाग को मांग भेजी जा चुकी है।

सामग्री प्राप्त होते ही कार्य में तेजी

बिजली की तेज गड़गड़ाहट के साथ गिरी आकाशीय बिजली, मकान की छत और घरेलू उपकरण क्षतिग्रस्त

संवाददाता

विशेश्वरगंज, बहराइच। सोमवार दोपहर बारिश के दौरान विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र के पुरैना बाजार में आकाशीय बिजली गिरने से एक मकान को काफी नुकसान पहुंचा। अचानक तेज धमाके के साथ बिजली गिरने से मकान की छत का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर नीचे गिर गया। वहीं घर में रखे पंखे, एलसीडी सहित कई विद्युत उपकरण भी जलकर खराब हो गए। घटना में परिवार के किसी सदस्य के घायल होने की सूचना नहीं है, जिससे बड़ी अनहोनी टल गई। पुरैना बाजार निवासी विष्णु कश्यप पुत्र सुरेंद्र कुमार के मकान पर सोमवार दोपहर करीब दो बजे बारिश के दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बिजली गिरने के समय तेज धमाका हुआ, जिससे आसपास के लोग भी सहम गए। कुछ ही देर में परिवार के लोग घर से बाहर निकल आए। मकान की छत के एक कोने का हिस्सा टूटकर नीचे गिरा मिला, जबकि घर में लगे विद्युत उपकरण भी क्षतिग्रस्त पाए गए। अचानक हुई इस घटना से विष्णु कश्यप के परिवार में दहशत का माहौल बन गया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए और परिवार के सदस्यों का हाल जाना। ग्रामीणों ने मकान का निरीक्षण कर घटना की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी। घटना की सूचना मिलने के बाद तहसील प्रशासन ने मामले का संज्ञान लिया है। तहसीलदार पयागपुर अंबिका प्रसाद चौधरी ने बताया कि संबंधित लेखपाल को मौके पर भेजकर मकान एवं अन्य संपत्ति को हुई क्षति का स्थलीय सत्यापन कराया जाएगा। लेखपाल की जांच रिपोर्ट के आधार पर शासन के निर्धारित नियमों के अनुसार पीड़ित परिवार को क्षतिग्रस्त मकान तथा अन्य नुकसान के लिए अनुमन्य मुआवजा दिलाने की कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है

नहाते समय गहरे पानी में डूबा 20 वर्षीय युवक, देर शाम तक नहीं मिला सुराग

संवाददाता

मिहींपुरवा/बहराइच। मोतीपुर थाना क्षेत्र के बलईगांव में सोमवार को गम गमा नाले में नहाने गया 20 वर्षीय युवक गहरे पानी में डूब गया। युवक के डूबने की खबर फैलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश अभियान शुरू कराया। बताया जाता है कि बलईगांव निवासी रवि पुत्र पृथ्वी शमशेर सोमवार को गम गमा नाले में नहाने गया था। नहाते समय अचानक वह नाले के गहरे हिस्से में चला गया और पानी में समा गया। आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाते हुए उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज अजीस कुशवाहा पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों को बुलाकर नाले में युवक की खोजबीन शुरू कराई गई। पुलिस के साथ गोताखोरों ने काफी देर तक पानी में तलाश की। चौकी इंचार्ज ने भी स्वयं नाले में उतरकर युवक को खोजने का प्रयास किया, लेकिन काफी मशक्कत के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही। युवक के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस की मौजूदगी में नाले में लगातार तलाश अभियान चलाया जा रहा है। खबर लिखे जाने तक युवक बरामद नहीं हो सका था और पुलिस व स्थानीय गोताखोर उसकी तलाश में जुटे थे।

परिवार परामर्श केंद्र की पहल से दो परिवारों में हुआ समझौता, टूटने से बचा परिवार

संवाददाता

बहराइच 31 अगस्त। पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में पारिवारिक विवादों को आपसी बातचीत और समझौते के माध्यम से समाप्त कर परिवारों को टूटने से बचाने के लिए चलाए जा रहे प्रयासों के क्रम में पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र को सफलता मिली है। केंद्र की टीम ने आपसी पारिवारिक विवाद से जुड़े दो मामलों में दोनों पक्षों को समझाकर आपसी सहमति से समझौता कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पारिवारिक विवाद के संबंध में संबंधित पक्षों द्वारा पुलिस अधीक्षक के समक्ष सुलह-समझौते के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए थे। पुलिस अधीक्षक ने मामलों को गंभीरता से लेते हुए उनके निस्तारण के लिए परिवार परामर्श केंद्र के प्रभारी को आवश्यक निर्देश दिए। निर्देश के क्रम में परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं एवं शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुना और पूरे मामले को समझा। इसके बाद द्वितीय पक्ष से संपर्क कर उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया। यहां दोनों पक्षों की बात अलग-अलग सुनने के साथ ही उन्हें आमने-सामने बैठाकर पारिवारिक विवाद के कारणों को समझने तथा आपसी मतभेद समाप्त करने के लिए समझाया गया। परामर्श के दौरान टीम ने दोनों पक्षों को पारिवारिक रिश्तों के महत्व, आपसी विश्वास तथा एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारियों का एहसास कराया। समझाइश के बाद दोनों पक्ष आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने के लिए राजी हो गए। दोनों परिवारों ने भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा अपने पारिवारिक कर्तव्यों का उचित ढंग से पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही। समझौता होने के बाद परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने दोनों पक्षों को सलाह दी कि वे एक-दूसरे की भावनाओं और आवश्यकताओं का सम्मान करते हुए आपसी सामंजस्य बनाए रखें तथा पारिवारिक दायित्वों का सही प्रकार से निर्वहन करें। इस पहल से दो परिवारों को टूटने से बचाने में मदद मिली। समझौता कराने वाली टीम में म0मु0आ0 संगीता यादव, म0आ0 गिरजावती यादव, म0आ0 छाया द्विवेदी, म0आ0 सविता मिश्रा तथा म0आ0 निशी त्रिवेदी शामिल रहीं।

रिसिया पुलिस ने वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता बहराइच 31 अगस्त। अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम तथा वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रिसिया पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह एवं क्षेत्राधिकारी पयागपुर हर्षिता तिवारी के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक थाना रिसिया करूणाकर पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार 31 अगस्त 2026 को करीब 12ः05 बजे मु0अ0सं0 409/21 एवं अ0सं0 339/20 से संबंधित वारंटी अभियुक्त ननमून उर्फ विजयराज पुत्र चरन प्यारे, निवासी ग्राम गुरचाही, थाना रिसिया, जनपद बहराइच, उम्र करीब 38 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

बालाजी दरबार में हर मंगलवार-शनिवार श्रद्धालुओं की लगती है कतार

संवाददाता

पयागपुर, बहराइच। पयागपुर धाम स्थित सिद्ध श्री बालाजी मंदिर इन दिनों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मंदिर में प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को विशेष पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो जाता है और दिनभर धार्मिक वातावरण बना रहता है। दूर-दराज क्षेत्रों के अलावा आसपास के जनपदों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु बालाजी महाराज के दर्शन के लिए पयागपुर धाम पहुंचते हैं। भक्त मंदिर में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं तथा बालाजी महाराज को प्रसाद अर्पित कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं। मंगलवार और शनिवार को विशेष आयोजन मंदिर में मंगलवार और शनिवार का दिन विशेष माना जाता है। इन दोनों दिनों में मंदिर परिसर में विशेष मेला जैसा माहौल देखने को मिलता है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के कारण सुबह से ही दर्शन के लिए कतारें लगने लगती हैं। घंटियों की गूंज, जयकारों और पूजा-पाठ से पूरा परिसर भक्तिमय नजर आता है। आस्था के साथ पहुंचते हैं श्रद्धालु बालाजी महाराज के प्रति श्रद्धालुओं में गहरी आस्था और विश्वास देखने को मिलता है। मान्यता के चलते लोग अपनी विभिन्न मनोकामनाओं और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना लेकर मंदिर पहुंचते हैं। कई श्रद्धालु नियमित रूप से मंगलवार और शनिवार को यहां दर्शन करने आते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सिद्ध श्री बालाजी मंदिर में दर्शन-पूजन करने के बाद श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति और मानसिक संतोष की अनुभूति होती है। इसी विश्वास के चलते क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ दूसरे जिलों से आने वाले भक्तों की संख्या भी लगातार बनी रहती है। धार्मिक आयोजनों में जुटते हैं भक्त मंदिर में समय-समय पर विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर बालाजी महाराज के दरबार में अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं। मंगलवार और शनिवार को लगने वाला विशेष मेला स्थानीय स्तर पर भी धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन जाता है।

जनपद के लिए ऐतिहासिक पल, विद्युतीकृत बहराइच-नानपारा-नेपालगंज रोड ब्रॉड गेज रेल लाइन की मिली सौगात

संवाददाता

बहराइच 31 अगस्त। भारतीय रेलवे द्वारा आधुनिक, सुरक्षित और सुगम रेल सेवाओं के विस्तार हेतु किये जा रहे निरन्तर कार्यों के अन्तर्गत बहराइच से नवनिर्मित, विद्युतीकृत बहराइच-नानपारा-नेपालगंज रोड ब्रॉड गेज रेल लाइन के लोकार्पण तथा गाड़ी संख्या 14213/14 वाराणसी-बहराइच एक्सप्रेस ट्रेन, गाड़ी संख्या 15131/32 वाराणसी सिटी-गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन और गोंडा-बहराइच के मध्य चलने वाली गाड़ी संख्या 75109/10 एवं 75111/75112 डेमू ट्रेनों का नेपालगंज रोड तक के विस्तार के शुभारंभ अवसर पर नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम मित्र राष्ट्र नेपाल में बाढ़ से हुई त्रासदी में मृतकों के लिए 02 मिनट का मौन रखकर दिवंगत लोगों की आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन हम सब के लिए दशकों के सपने को साकार होने जैसा है। वहीं नेपाल की वर्तमान त्रासदी के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करने का भी एक अवसर है। उन्होंने कहा कि मित्र राष्ट्र नेपाल में बाढ़ से हुई त्रासदी के पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में हम नेपाल के साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी हाल ही में नेपाल के अन्दर भोटेकोशी नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण केवल मित्र राष्ट्र नेपाल ही नहीं बल्कि भारत सहित विभिन्न देशों के सैकड़ों नागरिकों को प्राकृतिक आपदा का शिकार होना पड़ा है। उन्होंने कहा कि नेपाल राष्ट्र सहित भारत व अन्य देशों के सभी बन्धु बांधवों को जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खोया है सभी पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करता हूॅ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेपाल के अन्दर वर्तमान त्रासदी में मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्ग दर्शन एवं नेतृत्व में भारत सरकार ने त्वरित निर्णय लेते हुए मित्र राष्ट्र के सहयोग के लिए जो कदम बढ़ाया है हम इसके लिए प्रधानमंत्री जी के आभारी हैं। उन्होंने नेपाल के नागरिकों को आश्वस्त किया कि दुख की इस घड़ी में हम सब उनके साथ हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल हमारे लिए एक राजनैतिक रूप से मित्र राष्ट्र ही नहीं बल्कि हमारी एक सांझी सांस्कृतिक विरासत भी है। और उस सास्कृतिक विरासत को भगवान पशुपतिनाथ से लेकर काशी विश्वनाथ तक, गोरखा से लेकर गोरखपुर तक, जनकपुर से लेकर अयोध्या तक यह सभी कुछ आज भी देश के अन्दर बड़ी श्रद्धा के साथ हम सब स्मरण करते हैं और एक दूसरे धामों में जाकर सांझी विरासत का आदर भी करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए, इस क्षेत्र के लिए जो दशकों से उस सपनों को देखने के लिए लालायित था, जिसके लिए पीढ़िया चली गई। उस सपने को साकार और मूर्त रूप में देखने का संकल्प साकार हुआ जब मा. मंत्री रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार श्री अश्विनी वैष्णव जी द्वारा वर्चुअल रूप से बहराइच-नानपारा-नेपालगंज रोड के रेल खण्ड को ब्राडगेज नेटवर्क से जोड़ने के कार्यक्रम के उदघाटन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र आजादी के बाद विकास से वंचित रहा। कभी सत्ता का संचालन बहराइच करता था। महाराजा सुहेलदेव ने 1000 वर्ष पूर्व विदेशी आक्रांताओं से भारत को मुक्त करने का कार्य किया है। अभी तक यहां विदेशी आक्रांताओं का मेले व उर्स के नाम पर गुणगान होता रहा। लेकिन आज बहराइच में निर्मित महाराजा सुहेलदेव का विहंगम स्मारक स्थल पर अब महाराजा सुहेल देव जी विजयगाथा का गुणगान हो रहा है। अब यहां पर आने वाले श्रद्धालु 1000 वर्ष पूर्व की विजयगाथा को अपनी आंखों से देख सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रेल की कनेक्टिविटी न के बराबर थी और जो थी वह भी मीटर गेज की थी। जिसके कारण मित्र राष्ट्र नेपाल की भी कनेक्टिविटी नहीं हो पायी। आजादी के बाद देश के अन्दर अनेक स्थानों पर मीटर गेज लाईने ब्राडगेज हुईं, नई रेल गाड़िया चली कहीं शताब्दी चली, कही पर कोई ट्रेन चली लेकिन इस क्षेत्र को बार्डर एरिया समझ कर विकास नहीं किया गया। लेकिन डबल ईंजन की सरकार के लिए रूपईडीहा देश का प्रवेश द्वार है। मा. प्रधानमंत्री की प्रेरणा से मा. रेल मंत्री ने विद्युतीकृत बहराइच-नानपारा-नेपालगंज रोड ब्रॉड गेज रेल लाइन को रू. 730 करोड़ की लागत से 56.00 कि.मी. के कार्य को निर्धारित समय में पूर्ण कराया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे के ब्राडगेज की कनेक्टिविटी से नेपालगंज को जोड़ने का कार्य हो गया है। इसके अलावा 04 ट्रेने भी संचालित की जा रही है। जिससे इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी होने से क्षेत्र का विकास होगा, उद्योग लगेंगे, कृषि और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। अयोध्या, गोरखपुर जैसे क्षेत्रों को जोड़ने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि जब कनेक्टिविटी होती है तो गति मिलती है, और जब गति सकारात्मक दिशा में बढ़ती है तो वहीं प्रगति का आधार बनती है और यही प्रगति अब लखनऊ से बहराइच, अयोध्या से बहराइच, गोरखपुर से बहराइच और नेपालगंज तक आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन करेगा। इससे भारत और नेपाल के सांस्कृतिक संबन्धों को और मज़बूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां से प्रारम्भ होने वाली ट्रेन लोगों को वाराणसी बाबा विश्वनाथ के धाम से जोड़ने का कार्य करेगी। रेल मंत्री द्वारा 04 ट्रेनों की घोषणा करने पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह कनेक्टिविटी मात्र सुरक्षा व सुविधा के लिए नहीं बल्कि क्षेत्र की समृद्धि के लिए भी महत्वपूर्ण है। इससे इस क्षेत्र में विकास की बयार बहेगी, उद्योगों की स्थापना होगी, व्यापार बढ़ेगा, पर्यटन व कृषि के क्षेत्र को पंख लग जायेंगे। उन्होंने कहा कि कतर्नियाघाट के कारण बहराइच में पर्यटन में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक केन्द्रों को जोडने में मददगार होगा। जिससे पूरे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में बदलाव आयेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बहराइच से खलीलाबाद के लिए नई रेल लाईन का कार्य प्रगति पर है, इसी प्रकार गोरखपुर से वाया बलरामपुर से बहराइच नेपालगंज तक नई रेल प्रारम्भ होगी। इन सुविधाओं से आवागमन तो बेहतर होगा ही साथ ही विकास में भी भागीदारी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि डबल ईंजन की सरकार में माफिया नहीं हर जिले में मेडिकल कालेज बन रहे हैं। जहां बहराइच में महाराजा सुहेलदेव जी के नाम पर मेडिकल कालेज व बालार्क श्रृषि के नाम पर अस्पताल है। वहीं बलरामपुर, गोण्डा, अयोध्या, सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर, बस्ती व सिद्धार्थनगर में भी मेडिकल कालेज स्थापित हो गया है। श्रावस्ती में एयर कनेक्टिविटी की सुविधा उपलब्ध है।

आज इंसेंफिलाईटिस जैसी बीमारी से कोई भी परिवार भयभीत नहीं है। पिछली सरकारों ने अज्ञात बीमारी कह कर समस्याओं से मुंह मोड़ने का कार्य किया। लेकिन डबल ईंजन की सरकार ने समस्या की तह में जाकर उसका समाधान उपलब्ध कराने का कार्य किया है। आज मॉ बहने पूरी तरह से सुरक्षित है। केन्द्र सरकार द्वारा बहराइच से लखनऊ रोड को फोर लेन करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। भारत में कहीं रैपिड रेल, कहीं अमृत भारत, कहीं नमो भारत, कहीं वंदे भारत के रूप में नई रेल सेवाएं नये आत्म निर्भर, विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करती हुई दिखायी दे रही है। आज भारत की शत-प्रतिशत ब्राडगेज रेल लाईन का विद्युतीकरण हो चुका है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश एवं देश में रेलवे के क्षेत्र में हुए कायाकल्प के लिए मा. प्रधानमंत्री व रेल मंत्री जी का आभार ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि जब पटरी बड़ी होती है तो रास्ते भी बड़े होते हैं, रास्ते बड़े होते हैं तो बाज़ार बड़े होते हैं, बाज़ार बड़े होने से जब अवसर बड़े होते हैं

संक्षिप्त खबरें...

यातायात पुलिस ने चलाया सघन अभियान, 499 वाहनों के चालान

संवाददाता

बहराइच, 31 अगस्त। सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से यातायात पुलिस एवं नागरिक पुलिस द्वारा जनपद में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने कुल 499 वाहनों के चालान किए। इन वाहन चालकों पर कुल 7 लाख 37 हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया। पुलिस की कार्रवाई से यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों में हड़कंप की स्थिति रही। जांच के दौरान दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी बैठाकर यात्रा करने वाले चालकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। ऐसे मामलों में कुल 29 चालान किए गए। वहीं तेज गति से वाहन चलाने वाले चालकों पर विशेष नजर रखते हुए 100 चालान किए गए। यातायात पुलिस द्वारा हाईवे पर अनावश्यक रूप से खड़े वाहनों को भी हटवाया गया। ऐसे वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की गई। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं तथा दोपहिया वाहन पर तीन सवारी बैठाकर यात्रा न करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

अवैध पांच लीटर देशी शराब के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता

बहराइच, 31 अगस्त। थाना दरगाह शरीफ पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक अभियुक्त को पांच लीटर देशी/कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह एवं क्षेत्राधिकारी नगर नारायण दत्त मिश्र के पर्यवेक्षण में थाना दरगाह शरीफ पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

पुलिस को 31 अगस्त की रात करीब 12ः10 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध शराब लेकर पहाड़ा फक्कड़ के पास मेन रोड हाईवे पर मौजूद है। सूचना पर उपनिरीक्षक संजीत कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल तारा चन्द्र गुप्ता तथा कांस्टेबल अनिल कुमार यादव की टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया।

पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अल्ताफ पुत्र जाफर, निवासी चटाई मोहल्ला बक्शीपुर, थाना दरगाह शरीफ, बहराइच, उम्र करीब 23 वर्ष के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से पांच लीटर अवैध देशी/कच्ची शराब बरामद हुई।

इस संबंध में थाना दरगाह शरीफ में मु0अ0सं0 388/2026, धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की गई।

चोरी के मुकदमों में वांछित दो अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

संवाददाता

बहराइच, 31 अगस्त। कोतवाली नगर पुलिस ने चोरी के मुकदमों में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक अदद चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए रवाना कर दिया। पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह एवं क्षेत्राधिकारी नगर नारायण दत्त मिश्रा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर वृजेन्द्र कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम को यह सफलता मिली। थाना स्थानीय पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 112/2025, धारा 303(2)/317(2) बीएनएस से संबंधित प्रकाश में आए अभियुक्त सूरज कुमार त्रिपाठी पुत्र दीनेंद्र कुमार त्रिपाठी।

सड़क हादसे रोकने को ओवरस्पीडिंग और ड्रंकन ड्राइव पर कसेगा शिकंजा

❋ जुलाई में दुर्घटनाएं 81 फीसदी बढ़ीं, 10 लोगों की हुई मौत; डीएम ने दिए प्रभावी कार्रवाई के निर्देश

संवाददाता

मऊ। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें सड़क दुर्घटनाओं, ब्लैक स्पॉट, स्कूली वाहनों की फिटनेस, यातायात नियमों के अनुपालन और प्रवर्तन कार्रवाई की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने दुर्घटनाओं और मृतकों की संख्या में कमी लाने के लिए संबंधित विभागों को समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। जुलाई की समीक्षा में सामने आया कि वर्ष 2025 में जिले में 16 सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं, जबकि जुलाई 2026 में यह संख्या बढ़कर 29 हो गई। यानी दुर्घटनाओं में करीब 81.25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी अवधि में मृतकों की संख्या भी आठ से बढ़कर 10 हो गई। समीक्षा में दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण ओवरस्पीडिंग सामने आया। डीएम ने यातायात पुलिस और परिवहन विभाग को ओवरस्पीडिंग पर प्रभावी नियंत्रण तथा ड्रंकन ड्राइव के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। ओडीआर मार्गों पर सबसे अधिक दुर्घटनाएं होने पर जिलाधिकारी ने पिछले तीन-चार माह की दुर्घटनाओं का स्थलवार विश्लेषण कर दुर्घटना संभावित स्थानों को चिह्नित करने और तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए।

16 हजार से अधिक चालान

जुलाई में यातायात पुलिस ने विभिन्न नियमों के उल्लंघन पर 16,297 चालान किए। इनमें बिना हेलमेट 9,383, दोपहिया वाहन पर तीन सवारी के 1,139 और पार्किंग नियमों के उल्लंघन के 1,912 मामले शामिल हैं। डीएम ने कार्रवाई को लगातार जारी रखने को कहा।

बिना हेलमेट पेट्रोल न देने की व्यवस्था होगी प्रभावी

'नो हेलमेट-नो फ्यूल' व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए पेट्रोल पंप संचालकों के साथ बैठक कराने के निर्देश दिए गए। सीसीटीवी के जरिए बिना हेलमेट पेट्रोल लेने वालों की निगरानी और नियम का उल्लंघन करने वाले पंप संचालकों पर कार्रवाई करने को कहा गया।स्कूली वाहनों की समीक्षा में जुलाई में 185 वाहनों को फिटनेस प्रमाणपत्र जारी करने तथा फिटनेस समाप्त हो चुके 117 वाहनों को नोटिस दिए जाने की जानकारी दी गई। डीएम ने अभियान के बाद भी रैंडम चेकिंग जारी रखने के निर्देश दिए।साइलेंसर के 100 और प्रेशर हॉर्न के 51 चालान किए गए, जबकि हूटर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। डीएम ने अवैध हूटर पर भी कार्रवाई तथा जब्त उपकरणों को रोलर से नष्ट कराकर इसका प्रचार-प्रसार कराने को कहा।एनएचएआई गोरखपुर के परियोजना निदेशक की अनुपस्थिति और होल्डिंग एरिया के नोटिफिकेशन की कार्रवाई लंबित होने पर डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने ब्लैक स्पॉट पर जरूरी कार्य तत्काल पूरा कराने, राष्ट्रीय राजमार्गों पर पेट्रोलिंग बढ़ाने तथा कार्यों की फोटोग्राफ और जियो-टैगिंग सहित रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

में मुख्य राजस्व अधिकारी दिनेश कुमार, एआरटीओ सोहेल अहमद, यातायात

एसडीएम ने नदी किनारे गांवों में पहुंच कर परखी स्थिति, कर्मचारियों को दिए निर्देश

संवाददाता घोसी।मऊ। एसडीएम अशोककुमारसिंह ने बरसात को लेकर

घाघरा नदी के साथ छोटी सरयू नदी के जलस्तर को देखते हुऐ सोमवार को नदी किनारे स्थित विभिन्न गांवों और दोहरीघाट कस्बे का निरीक्षण कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। एसडीएम ने छोटी सरयू नदी के किनारे स्थित सरहरा जमीन सरहरा, नवली, धनौली रामपुर, कीरतपुर सहित कस्बा दोहरीघाट में पहुंचकर नदी के पानी की स्थिति तथा ग्रामीण क्षेत्रों पर पड़ रहे प्रभाव का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान किसी भी गांव में नदी का पानी आबादी तक नहीं पहुंचा मिला। खेतों में खड़ी फसलें भी सुरक्षित पाई गईं और किसी प्रकार की क्षति की सूचना नहीं मिली। वर्तमान में नदी का पानी अपने पेटे में ही स्थित है जिससे क्षेत्र में स्थिति सामान्य बनी हुई है। एसडीएम अशोक कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल नदी के पानी से किसी प्रकार की समस्या नहीं है। प्रशासन द्वारा नदी के जलस्तर और आसपास के क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

मधुबन में नवागत नायब तहसीलदार राजीव यादव ने संभाला कार्यभार

संवाददाता

मधुबन। तहसील मधुबन में नवागत नायब तहसीलदार राजीव यादव ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने तहसील के अधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त करते हुए राजस्व संबंधी कार्यों की जानकारी ली।

नवागत नायब तहसीलदार ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप राजस्व मामलों का निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने तहसील में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और नियमानुसार उनका समाधान सुनिश्चित करने की बात कही। उनके कार्यभार ग्रहण करने पर तहसील के कर्मचारियों एवं अन्य लोगों ने उनका स्वागत किया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व विश्वकर्मा पूजा को लेकर घोसी कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक, शांति-सौहार्द बनाए रखने की अपील

संवाददाता

घोसी।मऊ। आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं विश्वकर्मा पूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार की शाम 5 बजे घोसी कोतवाली परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी सतेंद्र भूषण तिवारी एवं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रवींद्रनाथ राय ने की। इस दौरान क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम प्रधानों के साथ त्योहारों के दौरान सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कोई भी नई परम्परा कायम नहीं होनी चाहिए।

बैठक को संबोधित करते हुए सीओ सतेंद्र भूषण तिवारी ने कहा कि घोसी की पहचान आपसी भाईचारे, सौहार्द और गंगा-जमुनी तहजीब के लिए रही है। त्योहार समाज को जोड़ने का माध्यम हैं, इसलिए सभी लोग मिल-जुलकर एवं शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाएं। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक नागरिक निर्भय होकर त्योहारों में शामिल हो सके। किसी भी प्रकार की अफवाह, विवाद अथवा अराजक गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शांति व्यवस्था में खलल डालने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाल रवींद्रनाथ राय ने कहा कि आगामी त्योहारों को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद है। कोई भी नई परम्परा कायम नहीं होनी चाहिए।सभी आयोजकों से अपील की गई कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम निर्धारित नियमों और प्रशासनिक दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक, आपत्तिजनक अथवा माहौल बिगाड़ने वाली पोस्ट साझा करने से बचें। अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि आमजन के सहयोग से ही पुलिस बेहतर कानून व्यवस्था कायम रख सकती है और घोसी में दोनों पर्व पूरी शांति एवं भाईचारे के साथ संपन्न कराए जाएंगे।

बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष मुन्ना गुप्ता, अवर अभियंता माजिद, भाजपा नेता अनिरुद्ध सिंह,प्यारे लाल राजभर, रघुनंदन यादव, अपराध निरीक्षक मोतीलाल पटेल, एसआई सूरज सिंह, सचिन, सनाउल्लाह खान, अशोक सिंह, अवनिश यादव सहित ग्राम प्रधान बालचंद, शेषनाथ शर्मा, शादाब, वंश बहादुर यादव, उदय राज सहित क्षेत्र के अनेक संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

मासूम की फरियाद ने खोली विकास की पोल, डीएम से बोली- स्कूल का रास्ता बनवा दीजिए

संवाददाता

मऊ। स्कूल जाने के लिए रोजाना खराब रास्ते से गुजरने वाली सात वर्षीय छात्रा सोमवार को अपनी समस्या लेकर सीधे जिलाधिकारी के दरबार पहुंच गई। कक्षा एक में पढ़ने वाली समरा नाज ने डीएम आनंद वर्धन से मासूमियत भरे अंदाज में कहा कि साहब, स्कूल जाने वाली सड़क की मरम्मत करा दीजिए। बच्ची की शिकायत सुनकर डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। वार्ड संख्या 17 निवासी समरा नाज ने जिलाधिकारी को बताया कि वह प्रतिदिन ऑटो से स्कूल जाती है। स्कूल जाने वाले रास्ते की हालत काफी खराब है। करीब 25 मीटर का मार्ग कच्चा और बदहाल होने के कारण उसे आने-जाने में परेशानी होती है। बारिश के दिनों में रास्ते पर कीचड़ और पानी भर जाने से स्थिति और खराब हो जाती है। बच्ची ने बताया कि कई बार रास्ते में गिरने से उसे चोट भी लग चुकी है। कीचड़ के कारण स्कूल की ड्रेस गंदी हो जाती है, जिससे उसे विद्यालय में डांट भी सुननी पड़ती है।

मासूम की परेशानी सुनने के बाद जिलाधिकारी आनंद वर्धन ने उससे पूरी जानकारी ली और समस्या के जल्द समाधान का भरोसा दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर सड़क की स्थिति का निरीक्षण करने

गौशालाओं में अचानक पहुंचे एसडीएम दीपक सिंह, CCTV मॉनिटर बंद मिला तो जताई नाराजगी, बीमार पशुओं की अलग व्यवस्था के दिए निर्देश

संवाददाता

मधुबन। उपजिलाधिकारी मधुबन दीपक सिंह ने रविवार को क्षेत्र की गौशालाओं का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। उन्होंने ग्राम सिद्धा अहिलासपुर और कुशहा नसीरपुर स्थित अस्थाई गौशालाओं में पहुंचकर पशुओं की संख्या, साफ-सफाई, चारा, निगरानी व्यवस्था और बीमार पशुओं के रखरखाव की जानकारी ली। सिद्धा अहिलासपुर स्थित अस्थाई गौशाला के निरीक्षण के दौरान रजिस्टर में दर्ज पशुओं की संख्या और मौके पर उपस्थित पशुओं की संख्या समान पाई गई। गौशाला में निगरानी के लिए तीन सीसीटीवी कैमरे लगे मिले, लेकिन उनका मॉनिटर चालू अवस्था में नहीं था। इस पर उपजिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। गौशाला परिसर में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक मिली। हालांकि बीमार पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखने के लिए अलग व्यवस्था नहीं होने पर एसडीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने बीडीओ को बीमार पशुओं के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पशुओं के लिए उपलब्ध भूसा, हरा चारा एवं पौष्टिक आहार की भी जांच की गई। मौके पर पशुओं के लिए भूसा, हरा चारा और पौष्टिक आहार मानक के अनुसार पाया गया। इसके बाद उप जिलाधिकारी ने कुशहा नसीरपुर स्थित अस्थाई गौशाला का भी निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों से पशुओं की संख्या, चारा-पानी, साफ-सफाई तथा देखरेख के संबंध में जानकारी ली और गौशाला में संरक्षित पशुओं की नियमित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एसडीएम दीपक सिंह ने जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि गौशालाओं में पशुओं की देखभाल, चारा-पानी, स्वच्छता और निगरानी व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। विशेष रूप से बीमार पशुओं को अलग रखने तथा सीसीटीवी व्यवस्था को सक्रिय रखने पर उन्होंने जोर दिया।

गड्ढों में तब्दील परदहां ब्लॉक रोड, मरीजों और राहगीरों की बढ़ी मुश्किलें

बरसात में पानी भरने से नहीं दिखते गड्ढे, हादसे का बना खतरा

संवाददाता मऊ। जिला मुख्यालय के करीब स्थित परदहां ब्लॉक रोड इन दिनों बदहाली का शिकार है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे और बड़े गड्ढे राहगीरों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क पर आवागमन और भी जोखिम भरा हो जाता है। वाहन चालकों को गड्ढों से बचकर निकलने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

परदहां ब्लॉक मुख्यालय परिसर में सीएचसी अस्पताल भी संचालित है। ऐसे में करीब 40 गांवों के ग्रामीणों, मरीजों और तीमारदारों के साथ ही ब्लॉक के

अधिकारियों व कर्मचारियों का प्रतिदिन इसी मार्ग से आवागमन होता है। सड़क की जर्जर हालत के कारण सबसे अधिक परेशानी मरीजों और दोपहिया वाहन चालकों को उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश होने पर सड़क के गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। ऐसे में दोपहिया वाहन चालक अचानक गड्ढों में गिरकर चोटिल हो जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर कई बार छोटे-बड़े हादसे भी हो चुके हैं, बावजूद इसके लंबे समय से सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई। ताजोपुर निवासी उम्मीद कुमार, बृजेश सिंह, हरेराम, अश्वनी सिंह और आशुतोष दुबे ने बताया कि सड़क कई स्थानों पर पूरी तरह टूट चुकी है। गड्ढों के कारण आए दिन लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अस्पताल आने-जाने वाले मरीजों के लिए भी जर्जर सड़क बड़ी समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से सड़क का स्थलीय निरीक्षण कराकर जल्द से जल्द मरम्मत कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात के दिनों में किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

मनमाने नाला निर्माण के विरोध में नगर पंचायत कार्यालय घेराव को निकले प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रोका

संवाददाता

इंदारा।कुर्थी जाफरपुर नगर पंचायत के वार्ड संख्या पांच स्थित मुस्लिम नई बस्ती में कथित तौर पर मनमाने ढंग से कराए जा रहे नाला निर्माण के विरोध में नगर पंचायत कार्यालय का घेराव और धरना-प्रदर्शन करने जा रहे एआईएमआईएम नेताओं व स्थानीय लोगों को पुलिस ने रास्ते में रोक दिया। पुलिस ने बिना अनुमति धरना-प्रदर्शन करने की बात कहते हुए प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिस की सख्ती के बाद एआईएमआईएम नेता समेत प्रदर्शन में शामिल लोगों को कुर्थी जाफरपुर पुलिस चौकी ले जाया गया।इस दौरान एआईएमआईएम पार्टी के पूर्वांचल सचिव मुनव्वर अली ने कहा कि वे शांतिपूर्ण ढंग से नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी (ईओ) को ज्ञापन देने जा रहे थे। ऐसे में पुलिस द्वारा उन्हें रोकना उचित नहीं है। उन्होंने पुलिस ने लोकतंत्र का गला घोंटने का पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले कुछ दिनों से वार्ड संख्या पांच में ठेकेदार द्वारा नाले का निर्माण मनमाने तरीके से कराया जा रहा है। नाले का स्तर आसपास के घरों के लेवल से काफी ऊंचा रखा जा रहा है। साथ ही नाले की गहराई भी मानक के अनुरूप नहीं होने का आरोप लगाया।प्रदर्शनकारियों का कहना था कि निर्माण की खामियों के कारण बरसात के दौरान पानी नाले में जाने के बजाय बस्ती के घरों में घुस रहा है। इससे आने वाले समय में जल निकासी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने नगर क्षेत्र में विकास कार्यों के नाम पर अनियमितता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए नाला निर्माण की जांच कराने तथा संबंधित जेई के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।सूचना मिलने पर नगर पंचायत के जेई भी पुलिस चौकी पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि अगले दिन मौके पर जाकर नाला निर्माण का निरीक्षण करेंगे और बस्ती के लोगों को हो रही समस्याओं को देखेंगे। साथ ही यह प्रयास किया जाएगा कि नाला निर्माण से स्थानीय लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। आश्वासन मिलने के बाद सभी वापस चले गए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि उनकी मांगों को लेकर नाला निर्माण उचित ढंग से दुबारा करने की कोशिश की गई तो फिर नगर पंचायत प्रशासन के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

सेवानिवृत्त उप निरीक्षक संतोष कुमार राय को भावभीनी विदाई,माला पहनाकर किया सम्मानित

संवाददाता इंदारा।कोपागंज थाना परिसर में रविवार को सेवानिवृत्त उप निरीक्षक संतोष कुमार राय का विदाई समारोह आयोजित किया गया। थाना पुलिसकर्मियों ने उन्हें माला पहनाकर तथा अंगवस्त्र,डायरी,पेन और छतरी भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने उनके लंबे सेवा कार्यकाल को याद करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखमय भविष्य की कामना की संतोष कुमार राय ने 1 अगस्त 1986 को आगरा में आरक्षी के पद पर पुलिस सेवा की शुरुआत की थी। करीब 40 वर्षों तक पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं देने के बाद वह कोपागंज थाने से सेवानिवृत्त हुए। पुलिस विभाग में अपनी सेवाओं के दौरान उन्होंने विभिन्न स्थानों पर कार्य किया। वर्ष 2020 में उन्हें उप निरीक्षक पद पर प्रोन्नति मिली, जिसके बाद उन्होंने उप निरीक्षक के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। वह मूल रूप से चंदौली जिले के कनवा थाना क्षेत्र के निवासी हैं। उन्होंने मऊ जिले में भी करीब एक वर्ष तक अपनी सेवाएं दीं।पुलिस सेवा के दौरान संतोष कुमार राय को अति उत्कृष्ट कार्य के लिए कई सम्मान प्राप्त हुए। उन्हें वर्ष 2022 में डीजीपी की ओर से सराहनीय सेवा सम्मान प्रदान किया गया था। इसके अलावा वर्ष 2023 में गृह मंत्रालय की ओर से यकृत सेवा पदक से सम्मानित किया गया। उन्हें केंद्र सरकार की ओर से अतिउत्कृष्ट सेवा पदक भी प्राप्त हुआ है।विदाई समारोह

सक्षिप्त खबरें...

महिलाओं ने रखा गणेश चतुर्थी का निर्जला व्रत

संवाददाता

इंदारा।कोपागंज विकास खंड क्षेत्र के इंदारा, कसारा, महुआर, लैरो, अदरी, कटवास, मुहम्मदपुर सहित विभिन्न गांवों में सोमवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर महिलाओं ने अपने पति और पुत्र की लंबी आयु एवं सुख-समृद्धि की कामना को लेकर निर्जला व्रत रखा। व्रती महिलाएं विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर परिवार की खुशहाली और संतान के मंगल की कामना कर रही हैं। गणेश चतुर्थी के व्रत को लेकर सुबह से ही महिलाओं में उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने दिनभर बिना अन्न-जल ग्रहण किए व्रत रखा और शाम को भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। मान्यता है कि इस व्रत को करने से संतान की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और परिवार की रक्षा का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इंदारा निवासी व्रती महिला प्रतिभा सिंह ने बताया कि भारतीय परंपराओं और त्योहारों का अपना विशेष महत्व है। व्रत-त्योहारों के माध्यम से परिवार की सुख-शांति और जीव-जगत के कल्याण की कामना की जाती है। वहीं सोनी सिंह और संध्या सिंह ने बताया कि गणेश चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की पूजा कर संतान के मंगल एवं दीर्घायु की कामना की जाती है।

साइबर टीम ने बरामद किए दो गुम मोबाइल, मालिकों को लौटाए

संवाददाता

मऊ। गुम और खोए हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मऊ पुलिस की साइबर टीम ने दो मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द कर दिए। बरामद दोनों मोबाइल की कुल कीमत करीब 34 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर ने बताया कि थाना दक्षिणटोला पुलिस टीम ने सोमवार को यह कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार, बरामद मोबाइल में मो. आरिफ पुत्र समीम अहमद, निवासी डोमनपुर गोलवा, थाना दक्षिणटोला का मोबाइल, जिसकी कीमत करीब 17 हजार रुपये है, तथा मो. अहमद पुत्र रिजवान अहमद, निवासी पूराघाट थाना कोपागंज का मोबाइल, जिसकी कीमत करीब 17 हजार रुपये है, शामिल है।

दोनों मोबाइल फोन को पोर्टल के माध्यम से ट्रेस कर बरामद किया गया। सत्यापन के बाद पुलिस ने मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए। मोबाइल वापस मिलने पर दोनों ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि मोबाइल फोन गुम होने पर तत्काल पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। इसके साथ ही साइबर अपराध या मोबाइल गुम होने की स्थिति में साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर मोबाइल की बरामदगी सुनिश्चित की जा सके।

महिला अस्पताल में अचानक पहुंचे सीडीओ, मरीजों से पूछा.... कैसा मिल रहा है इलाज?

ओपीडी, लेबर रूम और जांच व्यवस्था परखी, ऑक्सीजन प्लांट तत्काल चालू कराने के निर्देश

संवाददाता

मऊ। मुख्य विकास अधिकारी विवेक कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को जिला महिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर अस्पताल की चिकित्सा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न वार्डों, लेबर रूम, ओपीडी, ऑक्सीजन प्लांट, लिफ्ट सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान महिला चिकित्सालय के सीएमएस भी मौजूद रहे।निरीक्षण के दौरान अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक मिली। महिला वार्डों में भर्ती मरीजों से सीडीओ ने उपचार की गुणवत्ता और अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। मरीजों ने उपचार पर संतोष जताया। वार्डों में साफ-सुथरी बेडशीट व तकिया उपलब्ध मिले तथा बेडशीट प्रतिदिन बदले जाने की जानकारी दी गई। सभी वार्डों में मरीजों की निगरानी के लिए मॉनिटर भी उपलब्ध पाए गए। लेबर रूम के निरीक्षण के दौरान डिलीवरी संबंधी ऑपरेशन की प्रक्रिया संचालित मिली। बताया गया कि पूर्व में तीन डिलीवरी के सफल ऑपरेशन हो चुके हैं, जबकि निरीक्षण के समय एक ऑपरेशन चल रहा था। मौके पर चिकित्सक, एनेस्थीसिया चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित मिले। सीडीओ ने ओपीडी व्यवस्था की भी समीक्षा की। मरीजों को ऑनलाइन पर्ची आसानी से मिल रही थी और चिकित्सकों द्वारा मरीजों का परीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध दवाएं दी जा रही थीं। विभिन्न जांचों की सुविधा भी अस्पताल में उपलब्ध मिली। कुछ जांच रिपोर्ट जिला अस्पताल से विलंब से मिलने की जानकारी पर उन्होंने सीएमएस को रिपोर्ट समय से मंगवाने के निर्देश दिए। दोनों लिफ्ट क्रियाशील मिलीं। विद्युत आपूर्ति बाधित होने के दौरान एक लिफ्ट जनरेटर से संचालित मिली। वहीं, ऑक्सीजन प्लांट का स्टेबलाइजर खराब होने के कारण सेंट्रलाइज्ड ऑक्सीजन आपूर्ति बाधित थी। नया स्टेबलाइजर प्राप्त होने की जानकारी पर सीडीओ ने उसका इंस्टॉलेशन तत्काल पूरा कर ऑक्सीजन प्लांट शीघ्र चालू कराने के निर्देश दिए। मौके पर तीन भरे ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध मिले, जबकि पांच सिलेंडर भरने के लिए भेजे गए थे। मुख्य विकास अधिकारी ने सीएमएस को सभी चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ

स्वामी, एवं प्रकाशक देवेन श्याम द्वारा राम प्रिंटिग प्रेस, न्यू यादव बाजार इटौली काकोरी, लखनऊसे मुद्रित करवाकर कार्यालय एच०आई०जी०-ए10/2, टिकैत राय, एल०डी०ए कालोनी, राजाजीपुरम् लखनऊ-17 से प्रकाशित । सम्पादक: अवंतिका देवेन श्याम मो०नं०-9580629657 Email-yugsrishti02gmail.com, https://yugsrishti.com/ info@yugsrishti.com , पी.आर.बी. एक्ट के तहत इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय मान्य ।

रश्मिका मंदाना पहली ही फिल्म से मिला हिट करियर और लाइफ पार्टनर, ऐसे टूटा रिश्ता कि बैन होने की आ गई नौबत

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं, जिन्होंने 80 के दशक से लेकर अब तक हिंदी सिनेमा की तरफ रुख किया है। श्रीदेवी, जय प्रदा, हेमा मालिनी और रेखा समेत कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं, जिनके करियर की नींव दक्षिण भारत में रखी गई लेकिन सफलता उन्हें हिंदी सिनेमा से मिली। आज के दौर की ऐसी ही अभिनेत्री हैं रश्मिका मंदाना, जिन्होंने दक्षिण भारत में हिट फिल्म देने के बाद पैन इंडिया सफलता पाने में देर नहीं लगाई। 5 अप्रैल को जन्मी रश्मिका तेलुगू और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में जाना-माना नाम बन चुकी हैं। उन्होंने फिल्म किरिक पार्टी से 2016 में फिल्मी दुनिया में कदम रखा था और अपनी पहली ही फिल्म से रश्मिका बहुत बड़ी स्टार बन गई थीं। इस फिल्म में अभिनेत्री ने अभिनेता रक्षित शेट्टी के साथ काम किया। 4 करोड़ में बनी फिल्म ने 50 करोड़ की मोटी कमाई की और यह फिल्म रश्मिका के करियर की पहली हिट भी बनी। इस फिल्म में न सिर्फ रश्मिका को अच्छा करियर दिया बल्कि उन्हें रक्षित शेट्टी के रूप में अच्छा पार्टनर भी मिला। दोनों की जोड़ी को कन्नड़ सिनेमा में बहुत पसंद किया जाने लगा और फैंस भी दोनों की जोड़ी को असल जोड़ी के रूप में देखने लगे। आलम ये था कि सेट पर रश्मिका और रक्षित के बीच नजदीकियां बढ़ चुकी थीं। दोनों ने फिल्म के सुपरहिट होने के बाद साल 2017 में सगाई की लेकिन दोनों का रिश्ता एक साल बाद ही टूट गया। अलग होने की वजह दोनों में वैचारिक मतभेद था लेकिन यह बात रक्षित के फैंस को बिल्कुल पसंद नहीं आई और उन्होंने अभिनेत्री को ट्रोल करना शुरू कर दिया और कन्नड़ सिनेमा से बैन करने की धमकी भी दी। रश्मिका पर रक्षित को करियर की सीढ़ी बनाने का आरोप लगा। मामले को संभालने के लिए खुद रक्षित ने आकर अपने फैंस को अभिनेत्री के सामने कुछ भी न बोलने की अपील की क्योंकि अलग होने का फैसला दोनों का था। विवाद के बीच अभिनेत्री ने तमिल फिल्मों में कदम रखा और साल 2018 में उनकी चलो फिल्म रिलीज हुई, जिसके बाद उन्हें गीता गोविंदम, डियर कॉमरेड, भीष्म, सुल्तान (तमिल), सरिलरु नीकेवरु और सीता रामम में देखा गया।

कसूर से मिली फिल्म इंडस्ट्री में पहचान, कैंसर से जीती जंग, आफरीन गर्ल की कहानी

अभिनेत्री और मॉडल लीजा रे की कहानी सिर्फ सफलता की नहीं, बल्कि हौसले, संघर्ष और जिंदगी से कभी हार न मानने की मिसाल भी है। कनाडा की इस खूबसूरत एक्ट्रेस ने मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की, बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई, घातक कैंसर को हराया और सरोगेसी के जरिए दो प्यारी जुड़वा बेटियों की मां बनीं। लीजा रे का जन्म 4 अप्रैल 1972 को कनाडा के टोरंटो में हुआ था। मात्र 16 साल की उम्र में उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया। साल 1996 में नुसरत फतेह अली खान के मशहूर गाने %आफरीन-आफरीन% में उन्होंने पहली बार स्क्रीन पर धमाल मचाया। इसके बाद उन्होंने तमिल फिल्म %नेताजी% से अभिनय की शुरुआत की। साल 2001 उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ जब उन्होंने आफताब शिवदासानी के साथ हिंदी फिल्म %कसूर% से बॉलीवुड एंट्री की। इस थ्रिलर फिल्म में उनकी एक्टिंग और खूबसूरती दोनों को खूब सराहा गया। गानों में भी वे काफी प्रभावशाली नजर आईं। इसके बाद साल 2004 में दीपा मेहता की फिल्म %वॉटर% आई, जो ऑस्कर के लिए नामांकित हुई। इस फिल्म ने लीजा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई और उनकी एक्टिंग स्किल्स को नई ऊंचाई दी।

लीजा रे की जिंदगी आसान नहीं रही। साल 2009 में उन्हें मल्टीपल मायलोमा नामक ब्लड कैंसर का पता चला। यह बीमारी बहुत खतरनाक होती है और ज्यादातर लोग इससे हार मान लेते हैं। लेकिन लीजा ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने इलाज कराया और साल 2010 में स्टेम सेल ट्रांसप्लांट कराकर इस बीमारी पर जीत हासिल की। कैंसर से उबरने के बाद भी वे दवाइयों पर निर्भर रहीं, लेकिन अपनी जिंदगी को नई दिशा देने में लगी रहीं।

कैंसर पर काबू पाने के बाद लीजा ने बॉलीवुड में वापसी की। साल 2015-2016 में रिलीज हुई फिल्म %इश्क फॉरएवर% से उन्होंने फिर से दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके अलावा उन्होंने %वीरप्पन% जैसी फिल्म में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपनी मेहनत और सकारात्मक सोच की वजह से वह आज भी इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। निजी जिंदगी में भी लीजा ने कई चुनौतियों का सामना किया। कैंसर के इलाज की वजह से उनकी प्राकृतिक मातृत्व की संभावना प्रभावित हो गई थी। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2012 में उन्होंने जेसन देहनी से शादी की। इसके बाद दंपति ने सरोगेसी का रास्ता चुना। साल 2018 में जॉर्जिया के टिबिलिसी में सरोगेसी के जरिए उनकी दो जुड़वा बेटियां हुईं, जिनका नाम उन्होंने सूफी और सोलेल रखा।

बचपन से ही डालें स्लिम रहने की आदतें

हमारी सेहत और लुक्स को खानपान की आदतें व शारीरिक सक्रियता बहुत प्रभावित करती हैं। यही वजह है कि कुछ लोगों का बड़ी उम्र में भी फिज़ीक संतुलित रहता है। दरअसल कुछ हेल्दी हैबिट्स कम उम्र से ही अपना ली जाएं तो ये जीवन का हिस्सा बन जाती हैं। परिणाम होता है बेहतर शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य। हमारा कोई दोस्त ऐसा होता है जो अब दादा या दादी बनने के बाद भी उतना ही फिट दिखता है जितना कॉलेज लाइफ में नजर आता था। उनकी काया में कोई बदलाव नहीं होता। वजन भी उतना ही जितना पहले देखा था, यानी संतुलित फिज़ीक। वह महिला या पुरुष कोई भी हो सकता है। यह खानपान व व्यायाम को लेकर उसकी आदतों का परिणाम भी हो सकता है। आपको याद होगा कि किसी भी पार्टी में या बाहर खाने के दौरान वह दोस्त नपा-तुला ही खाता है। पार्टी में मीठे से परहेज रखता है। वहीं आपका वजन घटता-बढ़ता रहता है। आपने बढ़े हुए पेट को कम करने के लिए कभी सोचा ही नहीं है। खाने के आप शौकीन हैं, ऐसे में आप सोचते हैं कि वह इतना स्लिम-ट्रिम कैसे है? हेल्थ और वजन घटाने वाले विज्ञापन भी बताते हैं कि कौन सी ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप बच्चों को शुरुआती जीवन में बता सकते हैं ताकि वे स्वस्थ रहें। स्कूल जाने वाले बच्चों में भी कम एक्सरसाइज की वजह से वजन बढ़ने की समस्या काफी ज्यादा होती है। बच्चों को खाने में परहेज बरतने की बजाय हम उन्हें ज्यादा से ज्यादा खिलाने में यकीन करते हैं, जबकि स्कूल में क्लास के अंदर दिनभर बैठने, ट्यूशन या हॉबी क्लास में जाने के कारण वे अपने लिए एक्सरसाइज का समय नहीं निकाल पाते। इसलिए स्कूल गोइंग बच्चों को अपने वजन पर नियंत्रण रखना जरूरी है। उन्हें स्कूल की स्पोर्ट्स क्लास ज्वाइन करने के लिए प्रेरित करें ताकि वे खेलों में भाग लेकर स्वस्थ रह सकें। फिट कोई शारीरिक गतिविधि करवाएं। जो बच्चे खेलने-कूदने की गतिविधियों में भाग लेते हैं, वे बड़े होकर स्वस्थ और फिट रहते हैं। टीन एज में मुहांसे और मूड बदलाव जैसी समस्याएं होती हैं, हार्मोन्स में बदलाव बॉडी मास, डेंसिटी और वसा में बदलाव लाता है। यदि उनका मूड खराब हो तो हम उन्हें खाने के लिए आइस्क्रीम, चॉकलेट जैसी चीजें देते हैं। इसकी बजाय ।

कविता कौशिक ने बताया कप्तान के लिए क्यों नहीं करनी पड़ी ज्यादा मेहनत

एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज %कप्तान% ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। यह सीरीज ज्वालाबाद शहर में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी पर आधारित है। इसमें साकिब सलीम के अलावा सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आ रहे हैं। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का रोल निभाया है, जो एक सख्त महिला पुलिस अधिकारी होती है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें पुलिस के किरदार में ढलने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा था। अभिनेत्री ने हाल ही में आईएएनएस के साथ बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपने किरदार के ढलने की प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, ÷मुझे अपने किरदार के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी थी क्योंकि मेरा बैकग्राउंड ही पुलिस से जुड़ा हुआ है। मेरे पिता एक पुलिस अधिकारी थे। बचपन से हम उसी माहौल में बड़े हुए हैं। इसलिए यह भूमिका मेरे लिए स्वाभाविक लगी। चाहे चंद्रमुखी चौटाला का किरदार हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस वाली बात मेरी परफॉर्मेंस में अपने आप दिख जाती है।÷ कविता ने आगे बातचीत में पूरी टीम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, ÷हमारे पास बहुत अच्छा डायरेक्टर, शानदार प्रोड्यूसर्स और एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। हमारी कास्ट भी कमाल की है। सब कुछ मुझे सही लगा था, यही कारण है कि सीरीज के लिए हां कहना बहुत आसान हो गया था।÷ अभिनेत्री ने मुश्किल शूट के बारे में बात करते हुए कहा, ÷सच कहूं, तो मुझे सीन शूट करने में दिक्कत नहीं हुई। अगर मैं मुश्किल कहूंगी तो यह अन्य कलाकारों के साथ नाइंसाफी होगी। वे बहुत कठिन हालात में भी फिट रहते हुए जबरदस्त एक्शन सीन कर रहे थे। उनका अनुशासन और समर्पण देखकर मैं प्रेरित हुई। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। मेरी भूमिका उनकी तुलना में काफी आरामदायक थी।÷ अक्सर पुलिस ड्रामा में महिला अधिकारियों को कम महत्व दिया जाता है। इस पर कविता ने बेबाकी से कहा, ÷मैंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। मुझे जो मौका मिलता है, उसका पूरा फायदा उठाती हूं। मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती। मेरा फोकस अपने काम के असर पर रहता है।÷

मणिकर्णिका के विराग में मुक्ति की पुकार

काशी के मणिकर्णिका घाट की चिताएं कभी ठंडी नहीं होतीं। यहां मृत्यु और मोक्ष का प्रवाह निरंतर चलता है। लेकिन हर वर्ष चैत्र नवरात्रि की सप्तमी की रात नई अनुभूति देता है। समाज के हाशिये पर खड़ी नगरवधुएं यहां रात बाबा मसाननाथ के उत्सव में नृत्य करती हैं। यह सदियों पुरानी परंपरा वे मोक्ष की कामना से निभाती हैं। जीवन और मृत्यु के संबंध को स्पष्ट करता नृत्य भक्ति का रूप ले लेता है।

बनारस, जिसे दुनिया की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाता है, अपने भीतर सदियों की परंपरा और आस्था संजोए हुए है। इसी बनारस का मणिकर्णिका घाट मृत्यु और मोक्ष का शाश्वत साक्षी है। मान्यता है कि जो भी शरीर यहां अग्नि को समर्पित होता है, वह जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो जाता है। सामान्य दिनों में यह घाट शांति और विरक्ति का प्रतीक होता है, लेकिन चैत्र नवरात्रि की सप्तमी की रात यहां एक अद्भुत दृश्य जन्म लेता है।

चिताओं की बगल में घुंघरुओं की झंकार उस रात, जब चिताओं की आग आकाश से संवाद करती प्रतीत होती है, उसी समय घुंघरुओं की झंकार सुनाई देती है। समाज के हाशिये पर खड़ी नगरवधुएं पैरों में घुंघरू बांधकर तबले की थाप पर नृत्य करती हैं। यह दृश्य चौंकाता भी है और भीतर तक छू भी जाता है। यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि आस्था और पीड़ा का संगम है। मणिकर्णिका घाट उस रात एक नए रूप में दिखाई देता है। बदनाम गलियों से आई ये नगरवधुएं जलती चिताओं के बीच नृत्य करती हैं। यह आयोजन न तो किसी लालच से जुड़ा है और न ही किसी दिखावे से। यह सदियों पुरानी परंपरा है जिसे वे मोक्ष की कामना के साथ निभाती हैं। उनकी प्रार्थना सरल है-अगले जन्म में उन्हें सम्मान मिले और यह जीवन पीछे छूट जाए। इस परंपरा का इतिहास चार सौ वर्षों से अधिक पुराना माना जाता है। लोकमान्यता है कि जो नगरवधु इस रात बाबा मसाननाथ के उत्सव में शामिल होकर महाश्मशान में नृत्य करती हैं, उन्हें अगले जन्म में इस कठिन जीवन से मुक्ति मिलती है। यही विश्वास उन्हें हर वर्ष यहां खींच लाता है। चिताओं की लपटें व घुंघरुओं की लय वातावरण में घुल जाती है। यह दृश्य मृत्यु और जीवन दोनों को एक साथ सामने रखता है। महाश्मशान में राग और विराग का यह संगम देर रात तक चलता है। नृत्यांजलि में सन्नाटे के बीच जीवन की धड़कन सुनाई देती है।

मोक्ष की कामना में नृत्यांजलि

मणिकर्णिका घाट की चिताएं कभी ठंडी नहीं होतीं। यहां मृत्यु और मोक्ष का प्रवाह निरंतर चलता रहता है। लेकिन सप्तमी की रात यह प्रवाह एक नई अनुभूति देता है। नगरवधुओं का नृत्य इस अनुभव का केंद्र बनता है। यह नृत्य केवल भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए नहीं होता बल्कि जीवन की पीड़ा से मुक्ति की प्रार्थना भी है। नगरवधुएं अपने हर कदम के साथ अपने दुखों को शिव के चरणों में समर्पित करती हैं। चाहती हैं कि अगला जन्म उन्हें सम्मान और सुकून दे। जलती चिताओं के बीच नृत्य करती ये स्त्रियां जीवन और मृत्यु के संबंध को स्पष्ट करती हैं। उनका नृत्य भक्ति का रूप ले लेता है। आयोजक गुलशन कपूर के अनुसार यह परंपरा लगभग 500 वर्ष पुरानी है। साल 1585 में आमेर के राजा सवाई मान सिंह ने मणिकर्णिका घाट स्थित महाश्मशाननाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था। उद्घाटन पर संगीत-नृत्य का आयोजन होना था। लेकिन कोई कलाकार महाश्मशान में प्रस्तुति देने को तैयार नहीं हुआ। तब नगरवधुओं ने आगे बढ़कर यह जिम्मेदारी ली। राजा ने उन्हें सम्मान के साथ आमंत्रित किया। यह परंपरा हर वर्ष निभाई जा रही है। नगरवधु संगीता और मुस्कान कहती हैं, 'हम हर साल इस रात यहां आते हैं। शिव से प्रार्थना करते हैं कि हमारे दुख समाप्त हों और हमें मोक्ष मिले।' वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों से ये स्त्रियां इस रात यहां एकत्र होती हैं। चिताओं के बीच उनका नृत्य वातावरण को बदल देता है। इस परंपरा को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। यही काशी का सत्य है, जहां जीवन और मृत्यु साथ चलते हैं। बनारस सदियों से संगीत और संस्कृति का केंद्र रहा है। यहां तवायफों की परंपरा भी उतनी ही पुरानी है।